तापमान
अधिकतम 34 .5 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 10 अगस्त, 2025

12 पूर्व मंत्री असीम गोयल की कलाई पर बांधी राखियां

12 अंबाला जेल की बेकरी में खाने की चीजों का स्वाद लाजवाब

खबर संक्षेप

चोरी और लूट के चार आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पानीपत पुलिस की सीआईए वन ने चोरी, लूट व स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर गिरोह के सरगना सहित चार आरोपियों करनाल के गढी मुंडो गांव निवासी मोहीन, गुलशेर, इनाम व यूपी के शामली जिला के गांव नंगला राई निवासी शाहिद को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने आठ माह में सात वारदातें करना कबूला है। सीआईए वन प्रभारी संदीप ने बताया कि चोरी की उक्त वारदात बारे थाना सेक्टर 13/17 में गांव गढ सरनाई निवासी रविंद्र की शिकायत पर केस दर्ज है।

युवक ने सुसाइड किया हत्या की आशंका जताई

पानीपत। पानीपत के नूरवाला की जसबीर कालोनी निवासी बृजेश ने कथित रूप से अपने घर में फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। वहीं बृजेश मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कासगंज का निवासी था और अपने परिवार के साथ पानीपत में जीवन यापन करने के लिए आया था। इधर, भाई सर्वेश ने अपने भाई बृजेश की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

व्यक्ति पर किया जानलेवा हमला, अस्पताल में भर्ती

यमुनानगर । शहर के श्रीराम पार्क के पास शाम को अपने घर लौट रहे लक्ष्मी नगर निवासी रमेश राणा पर एक युवक ने तेजधार हथियारों से हमला कर उसे जान से करने का प्रयास किया। राहगीरों ने गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। शहर के डॉक्टर मनोज कुमार ने पुलिस को बताया कि उसका परिचित लक्ष्मी नगर निवासी रमेश राणा शाम को बाजार से घर लौट रहा था। श्रीराम पार्क के पास अज्ञात लड़के ने उसे रास्ते में रोक लिया और उस पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। रमेश राणा के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटे आई। इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गया।

खेत से युवक का शव मिला, हत्या की आशंका

करनाल । गांव बसताड़ा के खेत में शनिवार दोपहर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। गांव के रामफल ने खेत में जाते समय शव देखा और सरपंच सुरेश को सूचना दी। सरपंच ने बताया कि शव मुबारकाबाद रोड के पास पड़ा था। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मृतक की उम्र लगभग 30-35 वर्ष है और शव पर केवल कमीज मिली है। घरौंडा डीएसपी मनोज ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो पाई है और शव को मोर्चरी में रखवाया गया है।

रक्षाबंधन पर दिल्ली रूट पर यात्रियों को करना पड़ा लंबा इंतजार

रोडवेज में मुफ्त यात्रा के लिए महिलाओं के छूटे पसीने, सेहत पर भारी पड़ी बसों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

रक्षाबंधन पर महिलाओं को हरियाणा रोडवेज की ओर से किए गए प्रबंध रास नहीं आए। बसों में मुफ्त सवारी करने के लिए ज्यादातर महिलाओं को खूब पसीना बहाना पड़ा। सवारियों से भरी बसों में चढ़ने के लिए जान जोखिम में डा ल नी पड़ी। बसों का भी लंबा इंतजार करना पड़ा।

- भीड़ की वजह कई महिलाएं चक्कर खाकर गिरी, अव्यवस्थाओं से बेहद खफा हुईं

इस दौरान कई महिलाएं व्यवस्थाओं से बेहद खफा नजर आई। उनका आरोप था कि राज्य सरकार की ओर से महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा का तो ऐलान कर दिया गया लेकिन इसके लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं की। बसों की कमी के कारण महिलाएं बेहद कसरत करती नजर आई।

अंबाला। रक्षाबंधन पर बस में सवार होने का प्रयास करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

शुक्रवार की तरह शनिवार को भी महिलाओं के साथ दूसरे यात्रियों को भी दिनभर दिल्ली जाने वाली बसों का इंतजार करना पड़ा। कई बसों में तो सवारियां भर-भर के गईं। कुछ बसों में लोगों की सीट ही नहीं मिली। चंडीगढ़ से ही ज्यादातर बसें फुल होकर आ रही थी।

दूसरी तरफ परिवहन समितियों की बसों ने महिलाओं व बच्चों को निशुल्क यात्रा की सुविधा नहीं दी। इससे महिला यात्रियों की बस परिचालकों से बहस भी हुई। अंबाला रोडवेज डिपो की ओर से रक्षाबंधन के लिए 40 अतिरिक्त बसों का इस्तेमाल कुछ घंटे के लिए किया गया। इसकी वजह से भी महिलाओं व बच्चों को भीड़ से दो चार होना पड़ा। हालांकि ये बसें यमुनानगर, पंचकूला, कालका, चडीगढ़, कैथल, नरवाना, नारनौल मार्ग पर चलाईं गईं, जिससे इन रूटों पर यात्रियों को कुछ राहत जरूर मिली। इसके अलावा अंबाला छावनी और अंबाला सिटी बस अड्डों पर रोजाना के मुकाबले शनिवार को महिलाओं और यात्रियों की संख्या अधिक दिखी।

सरकार की ओर से नहीं मिले आदेश : राणा

दि परिवहन समिति के प्रधान रामनाथ राणा ने बताया कि रक्षाबंधन पर निशुल्क बस चलाने के लिए हमारे पास सरकार की तरफ से कोई आदेश नहीं आए हैं। परिवहन समिति की करीब 72 बसें हैं। 10 मार्गों पर इनका संचालन होता है।

रोडवेज की बसों के प्रबंधन के लिए रक्षाबंधन के लिए महिलाओं, बच्चों और यात्रियों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए रोडवेज अधिकारियों ने अंबाला छावनी बस अड्डे पर इंस्पेक्टर, सब इंसपेक्टर, स्टैंड इंचार्ज समेत 25 रोडवेज कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं।

40 अतिरिक्त बसों से मिली राहत

रोडवेज की ओर से रक्षाबंधन पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए 40 बसों को रिजर्व रखा गया था। इन बसों के संचालन से कुछ रुटों पर यात्रियों को लाभ मिला। खासकर महिला यात्री इन बसों में सवार होकर समय पर अपने गंतव्य पर पहुंचने में कामयाब रही। हालांकि ग्रामीण आंचल के रुटों पर महिलाओं का सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

समय पर नहीं मिली बस

अंबाला छावनी की रहने वाली रेखा ने बताया कि रक्षाबंधन पर उसे दिल्ली जाना था। लंबे इंतजार के बावजूद बस नहीं आई। उसे अपने पति और बच्चे के साथ दिल्ली जाना था लेकिन एक घंटा इंतजार के बाद भी बस नहीं मिली। उन्हें प्राइवेट टैक्सी से दिल्ली जाना पड़ा। इसी तरह अंबाला शहर की रहने वाले चांदनी व सुशीला ने बताया कि उन्हें भी दिल्ली जाना था। काफी देर इंतजार करने के बावजूद कोई बस नहीं आई। जो बसें दिल्ली जा रही थी उनमें पहले ही इतनी भीड़ थी कि अंदर घुसना किसी चुनौती से कम नहीं था। इसी तरह चंडीगढ़ से आई रेखा भाटिया ने बताया कि उन्हें रूड़की जाना था लेकिन डेढ़ घंटा इंतजार पर भी बस नहीं मिली। वे परिवार के साथ काफी देर तक इंतजार करती रही। इसी तरह दिल्ली जाने वाले ज्यादातर यात्री बेहद परेशान रहे। संगीता ने बताया कि वह चंडीगढ़ से अपने भाई को राखी बांधने के लिए दिल्ली के लिए निकली थी। चंडीगढ़ से तो वह अंबाला छावनी तक बिना दिक्कत के आ गई लेकिन अब दिल्ली जाना ही दूभर हो गया।

अनाज मंडी आढ़ती ने तीन लड़कियों की परवरिश करने की जिम्मेदारी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

अनाज मंडी इंद्री में आढ़त की दुकान करने वाले समाजसेवी व पूर्व मंडी प्रधान साहब सिंह डब्बास ने राखी के पावन पर्व के मौके पर तीन लड़कियों की परवरिश करने की जिम्मेवारी लेकर सुतली के धागे की राखी बंधवा कर मिसाल पेश की है।

साहब सिंह डब्बास ने बताया कि राखी के पावन पर्व के अवसर पर उन्होंने तीन लड़कियों की पढ़ाई, रहने व खाने की व्यवस्था आदि करने की पूरी जिम्मेवारी ली है । उन्होंने बताया कि लड़कियों का पिता बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला है और काम की तलाश में इंद्री अनाज मंडी में पहुंचा । जब वह उनकी दुकान पर आया तो उसने बिहार से आए मजदूर को रहने के लिए कमरा देकर काम पर रख लिया । जब पता चला कि मजदूर की तीन छोटी लडकियां भी है तो रक्षाबंधन के मौके पर तीनों लड़कियों से सुतली के धागे की राखी बंधवा कर उनकी पूरी परवरिश करने की जिम्मेवारी ले ली है । उन्होंने बताया कि वे लड़कियों का पूरा खर्च स्वयं वहन करेंगे और कल ही तीनों लड़कियों का स्कूल में दाखिला करवा देंगे ।

इंद्री। रक्षाबंधन के मौके पर राखी बंधवाते साहब सिंह डब्बास । फोटो : हरिभूमि

राज्य सरकार समेत नौ विभागों को दिया नोटिस

- तालाब की 32 एकड़ जमीन पर कब्जे के मामले में एनजीटी की एंट्री
- शिकायत के बावजूद किसी विभाग ने नहीं की कार्रवाई, अब 15 अक्तूबर को होगी सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के सेक्टर 7 में तालाब की 32 एकड़ 69 मरले जमीन पर कब्जे के मामले में अब एनजीटी की एंट्री हो गई है। कुछ लोगों ने तालाब में मिट्टी डालकर उस पर कब्जा कर लिया है।

इस मामले में एनजीटी कोर्ट ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव के जरिए हरियाणा सरकार समेत 9 विभागों को नोटिस जारी किया है। नोटिस के माध्यम से एनजीटी ने हलफनामा भी मांगा है। एनजीटी ने मुख्य सचिव के अलावा पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, तालाब प्रबंधन प्राधिकरण, उपायुक्त अंबाला, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, डीटीपी व नगर निगम शामिल हैं। कोर्ट ने आगामी सुनवाई से एक सप्ताह पहले संबंधित पक्षकारों से हलफनामा मांगा है। दरअसल अंबाला शहर के सैक्टर 7 के रहने वलो अखिलेश चोपड़ा ने 15 जुलाई को एनजीटी में एक याचिका दायर की गई थी। चोपड़ा ने याचिका में पुख्ता सबूतों के आधार पर तालाब की जमीन के बड़े हिस्से पर कुछ प्राइवेट लोगों के कब्जे की बात कही थी।उनका आरोप था कि इस जमीन पर प्राइवेट कॉलोनी डिवेलप करने के मकसद से तालाब को मिट्टी डालकर बंद किया जा रहा है। जबकि तालाब में सेक्टर 7 व आसपास की कॉलोनियों के बरसाती पानी की निकासी होती थी। इस पर विभागीय अधिकारियों पर शिकायत की गई थी लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।

याचिका पर सुनवाई करते हुए इस मामले की एनजीटी ने सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किए। इस मामले की सुनवाई अब 15 अक्तूबर तक टाल दी गई है।

याची ने ये सबूत पेश किए

इस मामले में याचिकाकर्ता अखिलेश चोपड़ा ने कोर्ट को तीन प्रमुख साक्ष्य दिए जिसमें पहले में गूगल मैप की तस्वीर दिखाई गई जिसमें सेक्टर सात के पास तालाब दिखाई देता है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि सेक्टर सात का पानी इसी तालाब में जाता था। क्योंकि यह निचला इलाका था, इसके बाद इस जमीन पर कुछ प्राइवेट लोगों कब्जा कर दिया। अब वे यहां रियल एस्टेट का प्लान तैयार कर रहे हैं। चोपड़ा ने दूसरा साक्ष्य डीटीपी की आरटीआई से जुड़ी रिपोर्ट पेश की जिसमें उन्होंने अपने रिकॉर्ड में इस स्थान पर जल निस्तारण का स्थान बताया। तीसरा साक्ष्य राजस्व विभाग का रिकॉर्ड दिया। उन्होंने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के दस्तावेज भी दिए जिसमें इस जमीन को निचली जमीन माना है। अखिलेश ने बताया कि तालाब प्रबंधन प्राधिकरण पंचकूला को भी शिकायत दी थी। पहले तो यह शिकायत पोर्टल से गायब हो गई। जब इस मामले को शिकायतकर्ता ने उठाया तो शिकायत वापस आ गई, हालांकि प्राधिकरण ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जबकि यह प्राधिकरण प्रदेश में तालाबों को संरक्षित करने का काम करता है। ।

अमेरिका भेजने के नाम पर 33.50 लाख हड़पे

करनाल। अमेरिका में रोजगार दिलाने के नाम पर एक युवक से 33 लाख 50 हजार रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक महिला एजेंट और उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। ओल्ड बहादुर चंद कॉलोनी निवासी रिंकू ने बताया कि वह अमेरिका जाकर काम करना चाहता था। इस दौरान उसकी मुलाकात शोभा नामक महिला से हुई, जिसने उसे भरोसा दिलाया कि वह उसे अमेरिका भेज देगी, लेकिन इसके लिए 33.50 लाख रुपये खर्च होंगे। मार्च 2022 में रिंकू ने 15 लाख रुपये नकद दिए, जिसके बाद अप्रैल में उसे दुबई भेजा गया, जहां वह करीब तीन माह रहा। फिर शोभा ने उसे सर्बिया भेजा और 5 लाख रुपये और मांगे। यह रकम रिंकू के परिजनों ने मुगल कैनाल स्थित शोभा के कार्यालय में दी। इसके बाद रिंकू को ऑस्ट्रिया, पुर्तगाल, स्पेन, नीदरलैंड और मैक्सिको भेजा गया। 27 सितंबर 2023 को शोभा ने नोटरी से सत्यापित सहमति पत्र भी दिया और रिंकू की मां के नाम 20 लाख रुपये का चेक सिक्योरिटी के रूप में जारी किया। लेकिन मैक्सिको पहुंचने पर आरोपी महिला और उसके पति तेजबीर ने फिर रुपये मांगे। परिवार ने पूरी रकम दे दी, फिर भी रिंकू को मैक्सिको एयरपोर्ट से भारत भेज दिया गया।

- महिला एजेंट व उसके पति पर मुकदमा

युवक पर किया चाकू से हमला, छह पर केस दर्ज

निगदू। गांव निगदू में एक युवक पर चाकुओं से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव निगदू निवासी बलराम ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे वह सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के पास गांव के ही सुनील के साथ खड़ा था। इस दौरान छह युवक वहां आए और चाकुओं से हमला कर दिया। तीन हमलावरों की पहचान चिराग, सागर और रज्जा के रूप में हुई है, जो गांव कारसा डोड के निवासी हैं, जबकि अन्य तीन की पहचान नहीं हो पाई है। घायल बलराम का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सवारियों से भरी रोडवेज बस डिवाइडर पर चढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

हाइवे पर कल्याण फार्म हाउस के सामने शनिवार को सुबह सवारियों की खचाखच हरियाणा रोडवेज की बस का अचानक संतुलन बिगड़ गया। बस डिवाइडर पर चढ़ गई। बस के डिवाइडर पर चढ़ते ही सवारियोंमें अफरा तफरी मच गई। जैसे ही घटना की सूचना हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण को मिली तो वे सवारियों की मदद के लिए दौड़ पड़े और सवारियों का हालचाल जाना। गनीमत रही कि किसी भी सवारी को चोट नहीं लगी।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शनिवार को करनाल-पानीपत मार्ग पर एक हरियाणा रोडवेज बस हादसे का शिकार हो गई। घटना कल्याण फार्म हाउस के पास उस समय हुई, जब बस करनाल से पानीपत की ओर जा रही थी। अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर पर चढ़ गई, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। पुरुष और महिला सवारियां चिल्लाने लगीं और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।गनीमत रही कि इस हादसे में कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ और सभी सुरक्षित रहे। जैसे ही इस घटना की सूचना हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण को मिली, वे तुरंत अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे। स्पीकर कल्याण ने यात्रियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने बस चालक और परिचालक से भी बात की और उनका हाल जाना। स्पीकर कल्याण ने चालक व परिचालक को सख्त हिदायत दी कि भविष्य में हमेशा सावधानी से वाहन चलाएं, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

घरौंडा। विस अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने लिया स्थिति का जायजा। फोटो : हरिभूमि

भाकियू ने भरी हुंकार, गांव-गांव में छेड़ा प्रचार अभियान, बैठकों का सिलसिला शुरू

13 अगस्त को देशभर में एसकेएम निकालेगा ट्रैक्टर मार्च

- शेखुपुरा जांगीर की जाट चौपाल में किया किसान मजदूर पंचायत का किया आयोजन
- मार्च के दौरान 80 ट्रैक्टर शामिल होने का किया दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

आने वाली 13 अगस्त को देशभर में जिला मुख्यालयों पर रोष स्वरूप निकाली जाने वाली ट्रेक्टर रैलियों को प्रभावी बनाने के लिए भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कार्यकर्ताओं ने कमर कसते हुए गांव-गांव में किसानों की बैठकों को आयोजित करने का सिलसिला शुरू हो गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा भारत (एसकेएम)के आह्वान पर किसानों की लंबित मांगो को लेकर देशभर में आने वाली 13 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर कॉरपोरेट भारत छोडो की नारेबाजी करने के साथ साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंक कर ट्रेक्टर रैलियां व रोष मार्च भी निकाला जाएगा। इसी सिलसिले को लेकर शनिवार की सुबह सवेरे करनाल विकास खंड के गांव शेखुपुरा जांगीर की जाट चौपाल में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में भाकियू नेता महताब कादियान व सुरेंद्र सागवान ने प्रमुख तौर पर शिरकत की।

बैठक का संचालन कार्यालय सचिव राजकुमार नौतना ने किया। किसान नेताओं ने बैठक में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली में चले किसान आंदोलन ने यह दिखा दिया है कि संगठित किसान आंदोलन के बिना सरकार पर दबाव नहीं बनाया जा सकता। अब भी किसान-श्रमिकों का एकजुट संघर्ष ही सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकमात्र विकल्प है।

किसान नेताओं ने 13 अगस्त को अपने अपने ट्रेक्टर ज्यादा से ज्यादा संख्या में लेकर रोष मार्च में शामिल होंने की जोरदार अपील की। जिसका किसानों ने हाथ उठा कर समर्थन किया। बैठक में किसानों ने करीब 80 ट्रेक्टरों की रोष मार्च में शामिल होंने की सूचि तैयार की। रोष मार्च निकालने को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह दिखाई दिया।

करनाल। गांव शेखुपुरा जागीर की चौपाल में नारेबाजी करते हुए भाकियू कार्यकर्ता।

प्रचार कमेटियों का किया गठन

जिला मुख्यालयों पर रोष स्वरूप निकाली जाने वाली ट्रेर्क्टर रैलियों को प्रभावी बनाने के लिए के भाकियू की ओर से खंड स्तरीय प्रचार कमेटियों का गठन किया गया है। जिला मुख्यालय से जारी की गई सूचि में विकास खंड करनाल में सुरेंद्र सागवान, महताब कादियान, कर्ण कालियां, चेयरमैन साहब सिंह बाजवा, खंड प्रधान दरविंद्र सिंह गौराया इसी तरह इंद्री खंड में प्रधान दिलावर सिंह डबकोली, नेकी राम गढ़ी बीरखल, सतबीर मंढाण, सतीश डाबरा, राजपाल रींडल व नीलोखेडी खंड में महासचिव भूपेंद्र सिंह लाडी, बाबू राम बडथल, बाबूराम डाबरथला तथा निसिंग खंड में चेयरमैन यशपाल राणा, शाम सिंह मान, प्रधान जोगिंद्र बस्तली, प्रेमचंद शाहपुर, रामफल नरवाल, खंड घरोंडा में सुरेंद्र घुम्मन, प्रधान धनेतर राणा, डॉ. सत्यवीर तौमर, सुरेंद्र बैनीवाल, राम दुरेजा, इसी प्रकार खंड असंध में प्रधान जोगिंद्र झींडा, ऋषि पाल, प्रेम सागवान बल्ला, महेंद्र थल, रणजीत जलमाना के नाम शामिल किए गए है।

महिला ने देवर पर लगाया दुष्कर्म करने का आरोप

- महिला थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर केस को गुजरात पुलिस को किया ट्रांसफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर की एक कालोनी निवासी महिला ने भिवानी निवासी अपने देवर पर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। घटना गुजरात के सूरत जिले की है। यमुनानगर की महिला थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर केस को सूरत पुलिस को ट्रांसफर कर दिया।

शहर की एक कालोनी निवासी 31 वर्षीय महिला ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 16 जून 2014 को भिवानी के सेक्टर 13 निवासी एक व्यक्ति के साथ हुई थी। शादी के बाद उसके पास दो बच्चे हुए। उसका पति गुजरात के सूरत में सीआईएसएफ में नौकरी करता है। शादी के बाद से उसके पति व ससुराल पक्ष के लोगों का उसके प्रति व्यवहार ठीक नहीं था। जिसके बाद से वह अपने बच्चों को लेकर अपने मायके यमुनानगर आ गई।

25 नवंबर 2024 को उसका पति उसे लेने के लिए यमुनानगर आया। उसके पति ने उसे ठीक प्रकार से रखने का वादा कर उसे अपने साथ भिवानी ले गया। वहां पर चार पांच दिन रुकने के बाद वह सूरत में चले गए। महिला ने बताया कि इस वर्ष होली वाले दिन उसका देवर दीपक उनके घर सूरत में पहुच गया। वहां पर दोनों भाइयों ने रात को शराब पी। इसके बाद उसका पति वहां से चला गया। उसके देवर ने बच्चों को एक कमरे में बंद करके उसे दूसरे रूम में लेकर गया। जहां पर आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया।

खबर संक्षेप

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। शहर की एक कॉलोनी में युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को अगवा कर लिया। पुलिस ने युवती के पिता की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर की एक कालोनी निवासी व्यक्ति ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 19 वर्षीय लड़की गत आठ अगस्त को सुबह नौ बजे किसी काम से घर से बाहर गई थी । मगर उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच करने पर उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को कॉलोनी का ही मनु उर्फ सचिन शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है।

चोरों ने तीन स्थानों से चुराया लाखों का सामान

यमुनानगर। जिले में चोरों ने अलग अलग तीन स्थानों से लाखों रुपये के आभूषणों समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने तीनों मामलों की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर की जम्मू कॉलोनी कैंप निवासी रूपिंदर कौर ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गत छह अगस्त को दोपहर 12 बजे शहर के मीना बाजार में खरीदारी करने के लिए गई थी। उसके पास उसका पर्स था। जिसमें उसने आभूषण रखे हुए थे। जब वह खरीदारी कर रही थी तो इस दौरान उसका पर्स चोरी हो गया।

महिला से सोने की चेन छीनने का किया प्रयास

यमुनानगर। जठलाना थाना क्षेत्र के गांव रतनगढ़ माजरा के पास बाइक सवार एक युवक ने महिला से सोने की चेन छीनने का प्रयास किया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव रतनगढ़ माजरा निवासी अंकित कांबोज ने जठलाना थाना पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी शाम साढ़े पांच बजे एक्टिवा पर घर लौट रही थी।

बहना ने भाई की कलाई पर बांधी प्यार और रक्षा की डोर

बहन और भाई के स्नेह और अटूट विश्वास के प्रतीक रक्षा बंधन का पर्व धूमधाम से मनाया

- शनिवार को शुभ मुहूर्त शुरू होते ही बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखियां बांधकर की लंबी आयु की कामना

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। भाइयों की कलाई पर राखी बांधते हुए बहन व उपहार भेंट करते हुए भाई। *फोटो : हरिभूमि*

भाई और बहन के स्नेह, विश्वास, रक्षा और अटूट रिश्ते का प्रतीक रक्षा बंधन पर्व शनिवार को जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर जीवन भर रक्षा करने का आशीर्वाद दिया। खास बात यह है कि राखी बांधने के लिए शुभमुहूर्त शनिवार सुबह 5 बजकर 47 मिनट से शुरु होकर दोपहर 1 बजकर 24 मिनट तक रहा। मगर कई बहनों ने शुभ मुहूर्त से पहले ही अपने भाइयों की कलाई पर राखियां बांधना शुरू कर दिया था। शनिवार सुबह होते ही कुछ बहनों ने शुभ मुहूर्त से पहले ही अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधनी शुरू कर दी थी। वहीं, अधिकांश बहनों ने सुबह 5 बजकर 47 मिनट पर शुभ मुहूर्त शुरु होने पर अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की। राखी बांधने का यह सिलसिला दिन भर शाम तक चलता रहा। हालांकि पंडित लछमन ने बताया कि इस बार रक्षा बंधन पर्व पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह पांच बजकर 47 मिनट से शुरु हुआ है। जो शुभ माना गया है। हालांकि उन्होंने बताया कि शुभ मुहूर्त शनिवार को दोपहर एक बजकर 24 मिनट तक माना गया। है।

वर्ष भर रहता है पर्व का इंतजार

आजाद नगर निवासी रश्मी, सुनीता, मॉडल टाउन निवासी निशा आदि ने बताया कि उन्हें वर्ष भर रक्षाबंधन के त्योहार का इंतजार रहता है। क्योंकि रक्षाबंधन ही एक ऐसा त्योहार है जो भाई और बहन के पवित्र रिश्ते को बनाए रखता है। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन पर भाईयों के लिए खास किस्म की राखियां खरीद रखी थी। उन्होंने सुबह के वक्त अपने भाइयों के घर पहुंचकर उन्हें शुभ मुहूर्त होने पर ही राखी बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की।

बहनों ने भाइयों के घर पहुंचकर बांधी राखियां

विवाहित बहनों ने जहां अपने निजी वाहनों या फिर बसों में सवार होकर अपने भाईयों के घरों पर जाकर उन्हें राखियां बांधी, वहीं, अविवाहित बहनों ने अपने घर पर ही भाईयों की कलाई पर राखी बांधकर उनका आशीर्वाद लिया। खास बात यह रही दूर दराज स्थानों पर रहने वाली बहनें शुभ मुहूर्त से पहले ही अपने भाईयों के घर पहुंच चुकी थी। जिन्होंने अपने भाईयों की कलाईयों पर कलाई बांधी और उनका मुंह मीठा करवाकर उनकी लंबी आयु की कामना की।

यमुनानगर। सीनियर सिटीजन के लिए आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्राधिकरण की सचिव व सीनियर सिटीजन। *फोटो : हरिभूमि*

वरिष्ठ नागरिकों को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

- जगाधरी के हुड्डा सेक्टर 17 में सीनियर सिटीजन केयर क्लब में आयोजित किया कार्यक्रम

जिला विधित सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जगाधरी के हुड्डा सेक्टर-17 स्थित सीनियर सिटीजन केयर क्लब व वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यक्रमों का आयोजन कर उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने किया। मौके पर पैनल अधिवक्ता वीपीएस सिद्धू भी मौजूद रहे।

प्राधिकरण की सचिव सुमित्रा कादियान ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के पास अनुभवों का खजाना है। इसलिए हम सभी का कर्त्तव्य है कि हम सबको उनके मार्गदर्शन में समाज की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए। मौके पर पैनल अधिवक्ता वीपीएस सिद्धू ने वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली विभिन्न सरकारी सुविधाओं, योजनाओं जैसे वृद्धावस्था पेंशन, मुफ्त इलाज, मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी। जगाधरी वृद्धाश्रम में पैनल अधिवक्ता अमिता कुमारी ने भी वहां मौजूद वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक किया। मौके पर वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनुभवों को सांझा किया। इस अवसर पर ज्ञान चन्द वर्मा वरिष्ठ अधिवक्ता भी मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर्व के उपवास में नियमों की पालना करना जरूरी : पांडे

- विश्वकर्मा मंदिर रादौर में 16 अगस्त को धूमधाम से मनाया जाएगा जन्माष्टमी का पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

विश्वकर्मा मंदिर रादौर में 16 अगस्त को जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। उक्त जानकारी मंदिर के पुजारी अवध बिहारी पांडे ने दी। मंदिर के पुजारी अवध बिहारी पांडे ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार शनिवार 16 अगस्त को मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का शुभारंभ 15 अगस्त को रात्रि 11 बजकर 48 मिनट को हो रहा है। 16 अगस्त को रात्रि 9 बजकर 35 मिनट पर अष्टमी तिथि का अंत होगा। उन्होंने बताया कि एकादशी उपवास के दौरान पालन किए जाने वाले सभी नियम जन्माष्टमी उपवास के दौरान भी पालन किए जाने चाहिएं। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी के व्रत के दौरान किसी भी प्रकार के अन्न का ग्रहण नहीं करना चाहिए। जन्माष्टमी का व्रत अगले दिन सूर्योदय के बाद एक निश्चित समय पर तोड़ा जाता है। जिसे जन्माष्टमी के पारण समय से जाना जाता है। जन्माष्टमी का पारण सूर्योदय के पश्चात अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के समाप्त होने के बाद किया जाना चाहिए। यदि अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र सूर्यास्त तक समाप्त नहीं होते तो पारण किसी एक के समाप्त होने के पश्चात किया जा सकता है। यदि अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में से कोई भी सूर्यास्त तक समाप्त नहीं होता है। तब जन्माष्टमी का व्रत दिन के समय नहीं तोड़ा जा सकता। ऐसी स्थिति में व्रती को किसी एक के समाप्त होने के बाद ही व्रत तोड़ना चाहिए। अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के अन्त समय के आधार पर कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत दो सम्पूर्ण दिनों तक प्रचलित हो सकता है। जो श्रद्धालु लगातार दो दिनों तक व्रत करने में समर्थ नहीं हैं। वो जन्माष्टमी के अगले दिन ही सूर्योदय के पश्चात व्रत को तोड़ सकते हैं।

संस्थान के निदेशक डॉ. संजीव गर्ग ने विद्यार्थियों का किया मार्ग दर्शन

- जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र में ऐतिहासिक स्थलों का किया शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

शैक्षणिक यात्राओं से विद्यार्थियों का साहित्य में बढ़ता है ज्ञानः डॉ. गर्ग

यमुनानगर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थी कुरुक्षेत्र में शैक्षणिक भ्रमण करते हुए।

रादौर के जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए शनिवार को ओरिएंटेशन कार्यक्रम के तहत कुरुक्षेत्र में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भक्ति काल के दौरान लिखे गए प्राचीन साहित्य के संदर्भ को समझने का अवसर मिला।

संस्थान के निदेशक डॉ. संजीव गर्ग ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने गीता ज्ञान संस्थान, तिरुपति बालाजी मंदिर व धरोहर संग्रहालय का भ्रमण कर वैदिक साहित्य में मूल्यवान अंतरदृष्टि प्रदान की। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न चित्रों, मूर्तियों और पांडुलिपियों का अवलोकन किया। गीता ज्ञान संस्थान के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को गीता के शाश्वत सिद्धांतों को आत्मसात करने में मदद मिली। भक्ति काल के कवियों के साहित्य पर गीता के प्रभाव को समझने में मदद हुई। हरियाणा की लोक संस्कृति एवं परंपराओं का एक जीवित प्रतीक, विद्यार्थियों को ग्रामीण जीवन, लोक परंपराओं व भक्ति काल के कामों में वर्णित भक्ति आंदोलन के प्रभावों का ज्ञान मिला।

निदेशक डॉ. संजीव गर्ग ने बताया कि एक शैक्षिक दृष्टिकोण से इस यात्रा ने विद्यार्थियों को वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में महाभारत, गीता की प्रासंगिकता को समझने में मदद मिली। इसके साथ ही साहित्यिक, सांस्कृतिक व दार्शनिक विषयों के प्रति विद्यार्थियों की जिज्ञासा बढ़ने में मदद मिली। विद्यार्थियों ने इस यात्रा को बेहद जानकारीपूर्ण और प्रेरणादायक बताया। निदेशक डॉ. संजीव गर्ग ने इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस तरह की शैक्षणिक यात्राएं विद्यार्थियों के बीच साहित्य में रुचि पैदा करती हैं और साहित्य के लिए एक गहरी समझ और प्रशंसा भी विकसित करती हैं।

यमुनानगर। गांव नाचरौन में आयोजित बैठक में भाग लेते हुए श्री श्याम मित्र मंडल के सदस्य।

नाचरौन गांव में छह सितंबर को श्री खाटू श्याम के दूसरे विशाल जागरण का होगा आयोजन

रादौर। श्री श्याम मित्र मंडल नाचरौन के सदस्यों की शनिवार को आयोजित हुई बैठक में छह सितंबर को गांव में श्री खाटू श्याम जी के दूसरे विशाल जागरण का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में श्री खाटू श्याम जी के दूसरे जागरण को भव्य रुप से आयोजित करने के लिए कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाई गी। मंडल के वरिष्ठ सदस्य डॉ. लाभ सिंह नाचरौन ने बताया कि जागरण में कलाकार साक्षी अग्रवाल राजस्थान, साहिल डोगरा करनाल व अंश पपनेजा यमुनानगर श्री खाटूश्याम जी की महिमा का गुणगान करेंगे। श्री खाटूश्याम जी को लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी आस्था है। उन्होंने बताया कि साथ ही श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपील की कि सभी अधिक से अधिक संख्या में जागरण व भंडारे में पहुंचकर श्री खाटू श्याम जी का आर्शीवाद प्राप्त करें। इस अवसर पर भूपेंद्र राणा, विनोद राणा, धर्मबीर, सतीश कुमार, मुकेश कुमार, राहुल पुंडीर, विशाल राणा, संदीप कुमार, रंजीत सिंह, सुरेश राणा, विपिन कुमार, साहब सिंह, राहुल शर्मा, शिव कुमार, पवन कुमार, रोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

- जागरण की तैयारियों को लेकर श्री श्याम मित्र मंडल नाचरौन के सदस्यों की आयोजित हुई बैठक

विज्ञान, तकनीक और युवा ऊर्जा का संगम हमारे भविष्य को एक नई दिशा देने को है तत्पर : जिंदल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

यमुनानगर। ग्लोबल रिसर्च शिक्षण संस्थान में आयोजित कॉन्फ्रेंस में भाग लेते हुए वक्तागण। *फोटो : हरिभूमि*

ग्लोबल रिसर्च ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस रादौर (यमुनानगर) में हरियाणा स्टेट काउंसिल फार साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी और सोसाइटी ऑफ फर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के सहयोग से नेशनल टेक्नोलॉजी दिवस के उपलक्ष में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कान्फ्रेंस में यंत्र, युगांतर फार एडवांसिंग न्यू टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड एक्सलरेशन विषय रखा गया।

कान्फ्रेंस का उदेश्य वैज्ञानिक समुदायों के बीच विचारोत्तेजक चर्चा को प्रोत्साहित करना तथा शैक्षणिक एवं औद्योगिक क्षेत्र के स्वास्थ्य विभाग के पेशेवरों के बीच अद्वितीय सहयोग को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि एवं ग्लोबल रिसर्च संस्थान के चेयरमैन सीए एसके जिंदल ने दीप प्रज्जवलित करके किया।

संस्थान के चेयरमैन सीए एसके जिंदल व वाइस चेयरपर्सन इंदु जिंदल ने कहा कि इस प्रकार की कॉन्फ्रेंस केवल एक पहल नहीं है। बल्कि भारत के नवाचार पथ पर एक नए युग का प्रारंभ है। जहां विज्ञान, तकनीक और युवा ऊर्जा का संगम हमारे भविष्य को एक नई दिशा देने को तत्पर है। वहीं, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के रिसर्च एवं डेवलेपमेंट, फैकल्टी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के डीन प्रो. डॉ. हरीश दुरेजा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सही इस्तेमाल के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। वहीं, गेस्ट ऑफ ऑनर में एसबीएसजेएसएम कॉलेज ऑफ फार्मेसी बेला रोपड़ के प्रिंसीपल प्रो.डॉ. शैलेश शर्मा, डॉ. राहुल तनेजा, प्रो. डॉ. कुमार गौरव, डॉ. विशाल चक्करवार महाराष्ट्र, डॉ. अभिषेक बुद्धिराजा ने विज्ञान एवं अनुसंधान आधारित प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला।

पोस्टर प्रेजेंटेशन स्पर्धा का हुआ आयोजन

कॉन्फ्रेंस में आयोजित पोस्टर प्रेजेंटेशन में पहला पुरस्कार चितकारा यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ फार्मेसी (हिमाचल प्रदेश) ने जीता। वहीं, दूसरा पुरस्कार ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी रादौर को मिला। जबकि तीसरा पुरस्कार सीटी कॉलेज ऑफ फार्मेसी शाहपुर (जालंधर) ने हासिल किया। वहीं, मॉडल प्रेजेंटेशन में प्रथम व द्वितीय पुरस्कार पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी ने प्राप्त किया। जबकि तीसरा स्थान ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी से आदित्य एंड टीम ने हासिल किया। इस अवसर पर डॉ. दीपक शर्मा वाराणसी, प्रो. डॉ. विनोद गौतम, डॉ. समीर, डॉ. आकाश जैन, प्रो. डॉ. लवकेश भाटिया आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर शैक्षणिक सफलता के लिए प्रियंका और अनु को एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट दिया गया। मौके पर कान्फ्रेंस की कोऑर्डिनेटर डॉ. नेहा यादव ने सभी गणमान्य अतिथियों, वक्ताओंए विशेषज्ञों एवं आयोजन समिति का धन्यवाद किया।

यमुनानगर। संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

नन्हें मुन्ने बच्चों ने धूमधाम से मनाया राखी का पर्व

रादौर। संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल व सुरेंद्रा हाई स्कूल हरनौल में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से 8वीं तक के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। स्कूल में राखी मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने रंग बिरंगी तथा विभिन्न प्रकार के डिजाईन की आकर्षक राखियां बनाई। स्कूल चेयरमैन रणधीर चौधरी ने बताया कि रक्षा बंधन का त्योहार भाई बहन के प्यार का प्रतीक होता है। बहने बड़े स्नेह से अपने भाई को राखी बांधती है। हमें सभी त्योहार मिलजुल कर मनाने चाहिए। इस अवसर पर नन्हें मुन्ने बच्चों ने आकर्षक रंग बिरंगी राखियां बनाकर अपने अध्यापकों का आर्शीवाद प्राप्त किया। मौके पर बच्चों का अध्यापकों ने मुंह मीठा करवाया। मौके पर स्कूल की प्रिंसीपल सोनिया चानना, सुरेश चानना, प्रभजोत कौर, मोहित बालियान व रजविंद्र कौर आदि मौजूद रहे।

शिलान्यास मेयर ने अधिकारियों को दिए प्रयोग की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश

योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जन भागीदारी है जरूरी:मेयर

नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने 39.46 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए मेयर सुमन बहमनी।

नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने शहर के वार्ड नंबर 22 में 39.46 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास करके व नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इस दौरान मौके पर सिटी विधायक भी मौजूद रहे।

मेयर ने संबंधित अधिकारियों को विकास कार्यों में प्रयोग होने वाली सामग्री में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि वार्ड नंबर 22 की जिमखाना क्लब कॉलोनी में 19.75 लाख की लागत से शनि मंदिर वाली गली, श्रीराम सेवा सदन वाली गली और अंबेडकर भवन वाली गली का नवनिर्माण और एनपी दो पाइप लाइन डालने का कार्य किया जाएगा। इसी तरह इसी वार्ड के गोविंदपुरा में 10.24 लाख की लागत से गाबा अस्पताल से हरी ज्वेलर्स तक पक्की गली का नवनिर्माण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वहीं, कल्याण नगर कॉलोनी में 9.47 लाख की लागत से गगन मेटल से हंसराज के मकान तक, हंसराज के मकान से सुनीता और पवन के मकान से संदीप के मकान तक पक्की सड़क बनाने व पाइप डालने के नव निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि जनता का सहयोग विकास की सबसे बड़ी ताकत है।

सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जन भागीदारी जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने और सौंदर्यीकरण में भी अपना योगदान दें। मौके पर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि शहर के हर वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। नई सड़कों व गलियों के बनने से लोगों का आवागमन सुगम होगा। सरकार का उद्देश्य है कि जनता को मूलभूत सुविधाएं देना है। हर नियमित कॉलोनी में विकास कराया जाएगा। किसी भी नियमित क्षेत्र को विकास से वंचित न रखा जाएगा। मौके पर सीएसआई हरजीत सिंह, पार्षद रूचि शर्मा, पार्षद भानू प्रताप, भाजपा मंडल अध्यक्ष शुभम राणा, संदीप धीमान,अंकित कपिल व दिनेश जैन आदि मौजूद रहे।

प्रकृति का मानव जीवन में है बहुत बड़ा महत्वः रमन कुमार शर्मा

- डीएवी पब्लिक स्कूल रादौर में वेद प्रचार सप्ताह के दौरान चतुर्वेद शतकम पारायण यज्ञ का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

यमुनानगर। हवन यज्ञ में आहुति डालते बच्चे व स्टाफ सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

डीएवी पब्लिक स्कूल रादौर में शनिवार को वेद प्रचार सप्ताह के अंतर्गत चतुर्वेद शतकम-पारायण यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में विद्यार्थियों द्वारा आहुतियां अर्पित कर सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना की गई। यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में विद्यालय के प्रिंसीपल रमन कुमार शर्मा ने पूर्ण आहुति डालकर विश्व कल्याण की कामना की।

विद्यालय के प्रिंसीपल रमन कुमार शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष श्रावण के माह में आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में वेद प्रचार सप्ताह का आयोजन किया जाता है। जिसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां की जाती हैं। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वेद प्रचार सप्ताह के अंतर्गत चतुर्वेद शतकम-पारायण यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में चारों वेदों के मंत्रों से आहुति दे कर यज्ञ सम्पन्न कराया गया। प्रिंसीपल रमन कुमार शर्मा ने कहा कि प्रकृति का मानव जीवन में बहुत ही महत्व है।

मौके पर यज्ञ में ब्रह्मा के रूप में धर्मेन्द्र शास्त्री ने मंत्र पाठ करते हुए यज्ञ का व श्रावण महीने का मानव जीवन में क्या महत्व है आदि के बारे में ज्ञान दिया।

खबर संक्षेप

मारकंडा नदी का जलस्तर बढ़ा, खेतों में पहुंचा पानी

शाहबाद। पहाड़ी क्षेत्र में हो रही बारिश के चलते मारकंडा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार सुबह तक मारकंडा नदी का जलस्तर 18 हजार क्यूसेक था जोकि शाम होते-होते 20 हजार क्यूसेक तक पहुंच गया। मारकंडा नदी में पानी का जलस्तर बढ़ने के कारण नदी के साथ लगते गांव कठवा के खेतों में मारकंडा नदी का पानी पहुंच गया। हालात को देखते हुए प्रशासन ने मारकंडा नदी से सटे 7 गांवों कठवा, पट्टी जामड़ा, गुमटी, मलकपुर, कलसाना, तंगौर और मुगलमाजरा में अलर्ट जारी कर दिया है।

कंचन बाला को मिला वित्त अधिकारी का कार्यभार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार पुनर्मूल्यांकन शाखा की उप-कुलसचिव कंचन बाला को तत्काल प्रभाव से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी का कार्यभार सौंपा गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

भाइयों ने रक्षासूत्र बंधवाकर बहनों को दिए उपहार

शाहबाद। सावन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन रक्षाबंधन के पावन पर्व पर नगर के सभी बाजारों में महिलाओं की पूरी रौनक देखी गई। नगर के सभी मिठाई की दुकानों पर महिलाएं और नव युवतियां अपने भाइयों के लिए मिठाई खरीदी नजर आई वही आधुनिकता के दौड़ में कन्फेक्शनरी की दुकानों पर चॉकलेट इत्यादि की भी खरीदारी करते देखा गया। रेडीमेड की दुकानों पर भी काफी भीड़ देखी गई। रक्षाबंधन का पर्व भाई बहन के अटूट प्यार का त्यौहार है। इस दिन बहने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा का सूत्र राखी बांधती है और अपने भाइयों की दीघार्यु और खुशी की कामना करती हैं वही भाई भी अपनी बहनों की रक्षा की जिम्मेवारी लेते हैं और जरूरत पड़ने पर वचन निभाते भी हैं।

जवानों के लिए सेंट थॉमस स्कूल के बच्चों ने भेजी राखी

कुरुक्षेत्र। सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल में रक्षाबंधन के अवसर पर बच्चों ने देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के लिए अपने हाथों से राखियाँ बनाई। स्कूल में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान इन राखियों को स्कूल में मौजूद आर्मी पर्सनल को बाँधा गया और अम्बाला आर्मी यूनिट को भेंट किया गया, ताकि इन्हें सीमा पर तैनात सैनिकों तक पहुँचाया जा सके। कप्तान गुरमेल सिंह , सूबेदार रविन्द्र कौशिक एवं आर.आर शर्मा ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। स्कूल की प्रबंध निदेशिका अंजलि मारवाह ने कहा सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल के बच्चे हर वर्ष सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के लिए अपने हाथों से राखियाँ बना कर भेजते है। यह सिर्फ एक धागा नहीं, बल्कि हमारे बच्चों के प्रेम और आशीर्वाद का प्रतीक है।

नगर के मंदिरों व धार्मिक स्थानों पर विभिन्न आयोजन किए

हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन, बहनों ने रक्षासूत्र बांधकर की मंगल कामनाएं

रक्षाबंधन पर्व पर साधु संतों ने प्रवचनों का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में शनिवार को रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी परिवारों ने, बहनों ने अपने भाइयों को राखियां बांधी तथा उनके मंगलमय जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का वचन दिया। रक्षाबंधन पर्व पर नगर के मंदिरों व धार्मिक स्थानों पर विभिन्न आयोजन किए गए। दिनभर नगर में खासी चहल पहल रही तथा बाजारों में रक्षाबंधन पर्व को लेकर राखियों, मिठाइयों इत्यादि के खरीददार महिला पुरुषों की भीड़ लगी रही। रक्षाबंधन पर्व पर साधु संतों ने प्रवचनों का आयोजन किया तथा इस पर्व के धार्मिक एवं अध्यात्मिक महत्व को बताया। प्रजापति ब्रह्माकुमारी आश्रम, गीता धाम, प्राचीन हनुमान मंदिर, प्राचीन दुखभंजन मंदिर इत्यादि में सत्संग, भजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। रक्षाबंधन के अवसर पर सुबह से ही अपने भाइयों के यहां जाकर राखियां बांधने वाली महिलाओं की भीड़ लगी देखी गई। दूसरी ओर दूर दूर से बड़ी तादात में भाई भी बहनों के यहां प्रेम, श्रद्धा, विश्वास के प्रतीक धागे को बंधवाने के लिए आए। अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए दादरी के बस स्टैंड पर अपने गंतव्य पर जाने के लिए महिलाओं की खासी भीड़ देखी गई।

इंटरनेट मीडिया पर भी पर्व की धूम

भाई बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन इंटरनेट मीडिया पर भी छाया रहा। व्हाट्सअप ग्रुप, फेसबुक इत्यादि पर भी लोगों ने रक्षाबंधन बधाई के संदेश एक दूसरे को भेज कर खुशियां बांटी। फेसबुक व व्हाट्सअप पर लोग बहनों की कलाई पर राखी बंधाने की तस्वीर शेयर कर बहन का आशीर्वाद प्राप्त होने की बात भी साझा कर रहे थे। कई जगह भाइयों ने राखी बंधवाने की अपनी फोटो को अपने व्हाट्सअप की डीपी पर लगाया। देर शाम तक बधाइयों का दौर जारी रहा।

कुरुक्षेत्र। नन्ही बहन अपने भाई को राखी बांधते हुए।

कुरुक्षेत्र। बहन अपने भाई को राखी बांधते हुए।

पिहोवा में श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन का पर्व

पिहोवा। नगर में रक्षाबंधन का पावन पर्व बड़े ही श्रद्धा, उल्लास और भाई-बहन के स्नेहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। प्रातः से ही बाजारों में रक्षासूत्र, मिठाइयों और उपहारों की दुकानों पर चहल-पहल देखने को मिली। बहनों ने सज-धजकर अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधा और उनके सुख, समृद्धि एवं लंबी उम्र की कामना की। विशेषकर छोटे बच्चों और कन्याओं में इस पर्व को लेकर खास उत्साह दिखाई दिया। नन्हीं-नन्हीं बहनों ने बड़े स्नेह से अपने भाई की कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधकर तिलक किया, मिठाई खिलाई और उपहार प्राप्त किए। भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनका आशीर्वाद और प्रेम स्वीकार किया। घर-घर में प्रेम, भाईचारे और पारिवारिक एकता का वातावरण बना रहा। कई सामाजिक संस्थाओं एवं स्कूलों में भी रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चियों ने पुलिसकर्मियों, डॉक्टरों और समाजसेवकों को राखी बांधकर उनके संरक्षण और सेवा के भाव के प्रति आभार व्यक्त किया। रक्षाबंधन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि यह पर्व केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सुरक्षा, विश्वास और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। पूरे दिन शहर में इस पर्व की रौनक और मिठास छाई रही।

पिहोवा। अपने भाई अभिमन्यु की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर तिलक लगाती बहन जैसलीन।

भाजपा हर मोर्चे पर फेल, हर वर्ग सरकार की नीतियों से है खफा : सुरेंद्र सैनी

कुरुक्षेत्र। कार्यकर्ताओं से बातचीत करते सुरेंद्र सैनी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कांग्रेस ओबीसी सैल के जिला प्रधान सुरेंद्र सैनी ने कहा है कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। हर वर्ग सरकार की नीतियों से खफा है। जहां किसान कर्ज के बोझ में दबा जा रहा है तो वहीं गरीब आदमी गरीबी की दलदल में फंसता जा रहा है। महंगाई से आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। वहीं बढ रहे अपराधों से आम जन अपने को असुरक्षित समझ रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद भाजपा सभी वायदे भूल गई। भाजपा मनमर्जी से जनता विरोधी नीतियां लोगों पर थोप रही है। जिसका उसे आने वाले चुनाव में खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वे शुक्रवार को अपने कार्यालय में ओबीसी सैल के कार्यकतार्ओं को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर बहादुरपुरा के पूर्व सरपंच सोहन लाल नागपाल, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि बलवंत सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। सुरेंद्र सैनी ने कहा कि किसान के काम आने वाली ईंधन, खाद, बीज व दवाई के रेट बढ गए हैं। भाजपा ने चुनाव के दिनों में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने का वायदा किया था, लेकिन सत्ता पर काबिज होने के बाद वायदे को भूल गई। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना का किसानों को नहीं बल्कि बीमा कंपनियों को लाभ मिल रहा है। बीमा कंपनियां मालामाल हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों बढाए गए जमीनों के कलेक्टर रेट 10 से 145 प्रतिशत किए गए हैं, जो कि पूरी तरह गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में लाखों बीपीएल धारकों के बीपीएल कार्ड सूची से हटा दिए हैं जो कि बीपीएल धारकों के लिए नुकसानदेह है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा ने लाखों लोगों के बीपलएल कार्ड बना दिए थे, लेकिन जब सत्ता हाथ में आ गई अब उन लोगों के बीपीएल कार्ड हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था का दिवाला पिट चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के चिकित्सक आयुष्मान योजना के तहत उपचार किए गए पैसे का भुगतान न होने को लेकर आयुष्मान के तहत लोगों का इलाज नहीं कर रहे हैं, जो कि सरकार की कमजोरी को दशार्ता है।

रक्षाबंधन पर्व भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश देने वाला : पूनम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

भाजपा नेत्री एवं जिला कष्ट निवारन समिति की सदस्य पूनम सैनी ने शनिवार को रक्षाबंधन पर पुलिस थाना में जाकर थानाध्यक्ष सुनील वत्स सहित पुलिस कर्मियों को राखी बांधी व उनकी लंबी आयु की कामना की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर समय तत्पर रहते हैं। इसलिए उन्हें यह त्यौहार भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश देने का एक सुंदर अवसर है। उन्होंने पुलिसकर्मियों की निष्ठा, सेवा और त्याग की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का ही नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा के भाव को मजबूत करने का भी प्रतीक है। रक्षाबंधन केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा और भाई-बहन के रिश्ते में निहित विश्वास, प्रेम और त्याग का अद्भुत प्रतीक है। इसका इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। उन्होंने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सभी पुलिस कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी व मिठाई भी खिलाई। इस मौके पर पुलिसकर्मियों ने भी पूनम सैनी और उनकी सहयोगिओ का आभार व्यक्त किया और सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

लाडवा। पुलिस थाना में थानाध्यक्ष को राखी बांधती भाजपा नेत्री पूनम सैनी व अन्य।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में मनाया रक्षाबंधन पर्व

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल कुरुक्षेत्र में रक्षाबंधन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बाँधा और उन्हें मिठाई खिलाई, जो प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक है। इस अवसर ने अभिभावकों को शिक्षकों से मिलने और अपने बच्चों की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करने का भी अवसर प्रदान किया। अभिभावकों और शिक्षकों ने रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ एक-दूसरे को दीं, जिससे आपसी सौहार्द और एकता की भावना को बढ़ावा मिला। गुजरात के राज्यपाल एवं गुरुकुल कुरुक्षेत्र के संरक्षक आचार्य देवव्रत ने सभी अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए, सभी को सुखद और समृद्ध रक्षाबंधन की बधाई दी। पूरा परिसर उत्सव की भावना से सराबोर रहा और दिनभर वातावरण उल्लासपूर्ण बना रहा।

आशीष फौजदार बने उत्तरी हरियाणा के सह प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के युवा प्रदेश अध्यक्ष आशीष फौजदार को उत्तरी हरियाणा पंचकूला, अम्बाला, यमुनानगर व कुरुक्षेत्र का सह प्रभारी नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह दहिया के निदेर्शानुसार हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष गंगाराम श्योराण द्वारा दी गई। नव नियुक्त सह प्रभारी आशीष फौजदार ने शनिवार को अपने लाडवा कार्यालय पर पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 2022 को समिति के शीर्ष नेतृत्व द्वारा मुझे हरियाणा प्रदेश का युवा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और आज जो जिम्मेदारी मेरी काबिलियत को देखते हुए मुझें दी गई मैं इस जिमेदारी को अपनी कर्तव्य निष्ठा के साथ तन,मन,धन से वहन करूंगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मैंने समिति के लिए दिन रात एक कर मेहनत की और मैंने जाट सेवा संघ के संस्थापक व समिति के राष्ट्रीय संरक्षक यशपाल मलिक के नेतृत्व में करीब पिछले 12 वर्षों से लगातार जाट कौम के हकों के लिए संघर्ष से जुड़ा हुआ हूं। मैं आगे भी बखूबी समिति को आगे बढ़ाने का भ्रषक प्रयास करता रहूंगा।

विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद का महत्व समझाया

कुरुक्षेत्र। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मुर्तजापुर, पिहोवा में 2023 वॉ निःशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. संजय शर्मा ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के महत्व पर प्रेरक संबोधन दिया। उन्होंने प्राकृतिक जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या के माध्यम से स्वस्थ रहने के सरल एवं प्रभावी उपाय साझा किए। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या गुरुदेवी, वरिष्ठ शिक्षक सुभाष चन्दर सहित अन्य सम्मानित शिक्षकगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार बनने का संदेश दिया।

रक्षाबंधन भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता विश्वास और अटूट बंधन का प्रतीक

कुरुक्षेत्र। रक्षाबंधन का पर्व, जो भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता, विश्वास और अटूट बंधन का प्रतीक है, आज पूरे देश में बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर युवा नेता डॉ. जसविंदर सिंह खैहरा ने अपने निवास स्थान पर परिवार संग इस त्योहार को पूरे रीति-रिवाज और परंपराओं के साथ मनाया। सुबह से ही खैहरा परिवार के घर में त्योहार का विशेष माहौल बना रहा। बहनों ने पारंपरिक पोशाक पहनकर आरती की थाली सजाई, तिलक किया और मंगल गीत गाते हुए अपने भाई डॉ. खैहरा की कलाई पर राखी बांधी। बदले में डॉ. खैहरा ने बहनों को उपहार और जीवनभर उनके सम्मान, सुरक्षा और खुशियों का वचन दिया। घर में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर रिश्तों की मिठास को और गहरा किया। इस अवसर पर अपने भाव साझा करते हुए डॉ. खैहरा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक रस्म या पर्व नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा का उत्सव है जिसमें प्रेम, त्याग और सुरक्षा का संदेश छिपा है। यह त्योहार हमें यह याद दिलाता है कि जैसे भाई अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है, वैसे ही समाज के हर व्यक्ति को महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए खड़ा होना चाहिए।

छात्रों ने अनोखे ढंग से मनाया रक्षाबंधन पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर कुरुक्षेत्र की कक्षा षष्ठम से नवम की छात्राओं ने रक्षा बंधन बहुत ही अनोखे ढंग से मनाया । कक्षा षष्ठम से अष्टम की छात्राओं ने सेक्टर 13 स्थित सदर पुलिस थाना के इंचार्ज व अन्य सभी पुलिस कर्मियों को मिठाई खिलाकर राखियां बांधी। पुलिस कर्मियों ने उन्हें अपने थाने का भ्रमण करवाया तथा अपनी कार्य शैली के बारे में उन्हें बताया तथा सभी छात्राओं को चॉकलेट देकर अपना आशीर्वाद दिया। कक्षा नवम की छात्राओं ने अग्निशमन केन्द्र के सभी कर्मचारियों को मिठाई खिलाकर राखियां बांधी। छात्राओं को अग्निशमन केंद्र की जानकारी देते हुए वहां के इंचार्ज ने बताया कि उनके विभाग का प्रमुख कार्य आग लगने की स्थिति में जान-माल की रक्षा करना और आग पर तुरंत काबू पाना है। यह केंद्र न केवल आग बुझाने का काम करते हैं, बल्कि आग लगने से रोकने के लिए सार्वजनिक शिक्षा और अग्नि निरीक्षण भी करते हैं।इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर श्री बी डी गाबा जी ने बताया कि पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अग्निशमनकर्मी हमारी सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं इसी कारण अनेक बार वे अपने परिवार के साथ त्यौहार नहीं मना पाते। इसी कारण विद्यालय की छात्राओं ने उन्हें राखी बांधकर उन्हें धन्यवाद दिया और उनके परिवार की कमी को कुछ कम करने का प्रयास किया। अग्निशमन केंद्र आग से संबंधित सभी प्रकार की आपात स्थितियों से निपटने के लिए जिम्मेदार होते हैं, जिसमें आग पर काबू पाना, लोगों और संपत्ति को बचाना, और आग लगने से रोकना शामिल है।

स्वर्ग धाम आश्रम में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

एक पौधा अपनी बहनों के नाम के तहत स्वर्ग धाम आश्रम में पौधारोपण किया गया। भाई बहन के राखी बंधन के पवित्र त्यौहार पर फतेह चन्द गांधी प्रधान कुरुक्षेत्र व्यापार मंडल और सुधीर चुग नगर पार्षद ने रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार पर स्वर्ग धाम आश्रम में पौधारोपण किया। प्रधान व्यापार मंडल फतेहचंद गांधी ने कहा कि जब भी कोई त्यौहार आता है व जन्मदिन होता है व अपने माता-पिता की पुण्यतिथि पर एक पौधा हमें अपने घरों उद्यानों या आसपास के क्षेत्रों में अवश्य लगाना चाहिए। पौधे हमें छाया, फल और औषधि देते हैं और इससे जलवायु पर्यावरण और हरियाली भी मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पौधारोपण के लिए एक विशेष अभियान चलाया की एक पौधा अपनी मां के नाम इस अभियान को देश की जनता इसे आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर विशाल कक्कड़, सुरेश कुमार, राम दिया उपस्थित थे।

बेसहारा पशुओं से मुक्त करने के लिए अधिकारी गंभीरता से करें कार्य

कुरुक्षेत्र। थानेसर के एसडीएम शाश्वत सांगवान ने कहा कि कुरुक्षेत्र को बेसहारा पशुओं से मुक्त करने के लिए संबंधित विभाग गंभीरता से कार्य करें तथा अधिकारी अपनी रिपोर्ट संबंधित पोर्टल पर तय समय सीमा के अंदर अपडेट करें। थानेसर के एसडीएम शाश्वत सांगवान ने अधिकारियों से कहा कि बेसहारा गौवंश पुनर्वास अभियान गत एक अगस्त से शुरू हो चुका है और यह अभियान 31 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारी को कहा कि जब भी पशु संबंधित गौशाला में आए तो उसकी जियो टैगिंग करे तथा पूरा रिकार्ड भी मेंटेन करें। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति अपना दुधारू पशु सड़क पर छोड़ता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जुमार्ना भी वसूला जाएगा। पुलिस विभाग के अधिकारी को कहा कि जब भी कोई बेसहारा पशु संबंधित टीम गौशाला में लेकर आए तो उसके साथ पुलिस विभाग का कर्मचारी होना चाहिए, ताकि मौके पर किसी तरह की कोई अव्यवस्था ना हो। उन्होंने यह भी कहा कि कुरुक्षेत्र जिला के संबंधित बॉर्डरों से अगर कोई बेसहारा पशु जिला में छोड़ता है तो उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जिला में 23 गौशालाएं हैं, जिनका रिकार्ड जियो टैगिंग के माध्यम से पशुपालन विभाग नगर परिषद कार्यालय में दें। उन्होंने पंचायत विभाग के अधिकारी को कहा कि जिला के सभी सरपंचों की बैठक लें तथा उन्हें कहें कि अपने-अपने गांव में मुनादी करवाएं कि कोई भी व्यक्ति अपना पशु सडक पर ना छोड़ें।

पौधों को रक्षा सूत्र बांध कर मनाया रक्षाबंधन

कुरुक्षेत्र। हम फाउंडेशन सामाजिक संस्था के स्वयंसेवकों ने पौधों को रक्षा सूत्र बांध कर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। उन्होंने शपथ ली की वे पौधों की सुरक्षा भी अपने परिवारजनों की तरह ही करेगें। संस्था के अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि इस पावन पर्व पर हमे अपनी बहनों के साथ साथ पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लेना चाहिए। इस त्यौहार को केवल एक दिन मनाकर खानापूर्ति न कर पूरे साल भर मनाना चाहिए। आज पर्यावरण को बचाने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। हर व्यक्ति इसके प्रति जागरूक तो है लेकिन प्रयास करने में शर्म महसूस करता है। हम लोगो को अपनी शर्म को छोड अपने को व अपने बच्चों को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का प्रयास करना चाहिए। रेखा कल्याण, मीना चौधरी, रीना बतान, वेदिका, हिपसिता कल्याण, वेदांत, आदित्य डाबर, विश्वास ने पौधों को रक्षा सूत्र बांधे।

दलबीर बने हिंद संग्राम परिषद हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष

भद्रकाली शक्तिपीठ में 51 फीट की राखी सजाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पवित्र श्रावणी पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर माँ भद्रकाली शक्तिपीठ, कुरुक्षेत्र में इस वर्ष भी 51 फीट लंबी राखी सजाई गई, जिसका थीम अद्वितीय वेद पुराण राखी रखा गया। भव्यता में अनुपम यह राखी, वैदिक संदेशों से सुसज्जित होकर सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों का सार अपने में समाहित किये हुए थी । इस विशाल राखी का मुख्य वृत्त 5 फीट व्यास का है, जिस पर वेदों का सार संदेश अंकित है, जो सनातन धर्म की मूल आत्मा का प्रतीक है। दोनों ओर की डोरियाँ, जिनकी लंबाई 23-23 फीट है, पर अठारह पुराणों के ज्ञानवर्धक चित्रों और संदेशों वाले प्ले-कार्ड लटकाए गए हैं। यह अद्वितीय सज्जा भक्तों को वेदों और पुराणों की गहराई से परिचित कराने का प्रयास है। गौरतलब है कि रक्षाबंधन त्यौहार शक्तिपीठ में सैंकड़ो सालों से परम्परा के तौर पर मनाया जाता रहा है। भारत देश की, हरियाणा व कुरुक्षेत्र वासियों की भाईचारा व एकता बनाए रखने के लिए, उनकी सुरक्षा व दीघार्यु के लिए इस कार्यक्रम को सार्वजनिक रूप से, धार्मिक मान्यताओं को सम्मान देते हुए, लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करके मंदिर परिसर में मनाया गया। मंदिर परिसर को पुष्प सज्जा से सुसज्जित किया गया।

खबर संक्षेप

24 वाहन चालकों के चालान काटे

अंबाला। ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रात्रि के समय ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क पर नशे में वाहन चलाने वालों के ऊपर कड़ा शिकंजा कसना है। अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते हैं। इस दौरान 24 वाहन चालकों के चालान काटे गए। पुलिस ने इस दौरान लगभग 206 वाहन को चेक किया।

नर्सिंग कॉलेज को मिली मान्यता

अंबाला। अंबाला छावनी के जीएमएन कॉलेज ऑफ नर्सिंग को इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा मान्यता दे दी गइ है। यह उपलब्धि कॉलेज के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो नर्सिंग शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कॉलेज प्रबंधक समिति के अध्यक्ष डॉ गुरदेव सिंह, जनरल सेक्रेटरी अजय अग्रवाल , फाइनेंशियल सेक्रेटरी आलोक गुप्ता , चेयरमैन जीएमएन ट्रस्ट एंड मैनेजमेंट सोसाइटी, जसवंत जैन व अन्य पदाधिकारियों ने कॉलेज की इस उपलब्धि पर सभी छात्रों, स्टाफ को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 को

अंबाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम प्रवीन ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायलय और सब डिविजन नारायणगढ़ की अदालतों में 13 सितंबर 2025 को किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्थायी लोक अदालत व उपभोक्ता अदालत में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 11 सितंबर को किया जाएगा। उन्होने जन साधारण से अपील की कि वे अदालत में बिजली, पानी इत्यादि संबधित लंबित मुकदमें व प्री लिटिगेशन स्टेज पर इस लोक अदालत मे रख कर उनका निपटारा करवा सकते हैं।

बैग से मिले गांजा की होगी जांच

अंबाला। आरपीएफ द्वारा लगभग एक माह पहले जब्त किए गए लावारिस बैग से गांजा बरामद हुआ। यह खुलासा उस समय हुआ जब जीआरपी टीम जांच के लिए पहुंची। जीआरपी ने बैग कब्जे में लेकर कालका थाने में अपजान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि इतने दिन तक बैग यूं ही बंद पड़ा रहा और इसे न तो कालका स्टेशन पर तैनात आरपीएफ प्रभारी ने चेक किया और न ही किसी अन्य कर्मचारी ने। अब इस लापरवाही की जांच पड़ताल के लिए भी आरपीएफ के सह आयुक्त को जिम्मेदारी सौंपी गई है जोकि तथ्यों के आधार पर आगामी कुछ दिन में अपनी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

स्कूटी सवार व्यक्ति का मोबाइल लेकर फरार

कैथल। अनाज मंडी चीका के निकट से स्कूटी सवार दो युवा एक व्यक्ति का फोन छीनकर फरार हो गए। काकोत के शीशपाल ने चीका पुलिस को शिकायत दी है।

कई बुजुर्ग महिलाओं ने पूर्व मंत्री को राखी बांधकर दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया

रक्षाबंधन पर उमड़ा बहनों का स्नेहसागर, पूर्व मंत्री असीम गोयल की कलाई पर बांधी हजारों राखियां

अंबाला। पूरे दिन पूर्व मंत्री के आवास पर बहनों का लगा रहा तांता, हर साल की तरह भारी संख्या में बहनें असीम गोयल को बांधने पहुंची राखी

अंबाला। कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज स्टाफ व स्टूडेंट्स । फोटो :हरिभूमि

- सभी बहनों और बेटियों को पूर्व मंत्री ने उपहार भेंट किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अंबाला शहर के पंचायत भवन में शनिवार को एक शानदार दृश्य देखने को मिला। सुबह से ही यहां बहनों और बेटियों का हुजूम उमड़ पड़ा। ये पूर्व मंत्री असीम गोयल को राखी बांधने और उन्हें अपना आशीर्वाद देने के लिए पहुंची थी। सुबह से ही पंचायत भवन के मुख्य द्वार पर महिलाओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। हजारों की संख्या में पहुंचीं इन बहनों के हाथों में रंग-बिरंगी राखियां और मिठाइयों की खुशबू पूरे परिसर में एक उत्सवी माहौल बना रही थी। पंचायत भवन के हॉल से लेकर बरामदे और बाहर तक बहनों की भीड़ रही। जगह-जगह फोटो खिंचवाने का सिलसिला चलता रहा। कई बुजुर्ग माताओं ने भी गोयल को राखी बांधकर दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया। युवतियों और बच्चों में भी उत्साह देखते ही बन रहा था। इस दौरान बहनों ने एक-एक कर असीम गोयल की कलाई पर राखी बांधी।

राखी बांधने आई सभी बहनों और बेटियों को पूर्व मंत्री असीम गोयल ने स्नेहपूर्वक उपहार भेंट किए। यह केवल एक रस्म नहीं बल्कि बहनों के प्रति सम्मान और अपनत्व का प्रतीक था। कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं के चेहरों पर खुशी और अपनेपन का अहसास साफ झलक रहा था। गोयल को राखी बांधने आई महिलाओं ने उनके सिर पर हाथ रखकर अपना आशीर्वाद भी दिया।

विश्वास और रिश्तों का पर्व: गोयल

असीम गोयल ने इस मौके पर कहा, /"मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि हजारों बहनों ने अपना आशीर्वाद देने और रक्षासूत्र बांधने के लिए यहां उपस्थिति दर्ज कराई। यह केवल धागा नहीं बल्कि विश्वास, अपनत्व और सुरक्षा का वचन है, जिसे मैं जीवन भर निभाऊंगा।/" उन्होंने कहा कि उनकी कलाई पर बंधी हर राखी एक जिम्मेदारी की तरह है, जो उन्हें बहनों के सम्मान और सुरक्षा के लिए और अधिक समर्पित बनाती है।

भाई-बहन को स्नेह की अटूट डोर में बांधता है रक्षाबंधन पर्व

लॉर्ड कृष्णा शिक्षण संस्थान में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय में बीएड के विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन का पर्व बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में कॉलेज के अध्यक्ष राजकुमार सांगवान व रमेश सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच संचालन प्राध्यापिका प्रीति ने किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रेणु सहोता ने रक्षाबंधन पर्व के महत्व, ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन को स्नेह और विश्वास की अटूट डोर में बांधता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस पर्व से जुड़ी सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अध्यक्ष राजकुमार सांगवान ने कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों और स्टाफ को यह पर्व आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सभी स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे और मिलकर इस पारंपरिक त्योहार को उल्लासपूर्वक मनाया।

संस्कृति के श्लोक और मंत्रों का उच्चारण हमारे मन-मस्तिष्क को देता है उर्जा व शांति

अंबाला। अंबाला छावनी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 में संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत श्लोक उच्चारण एवं मंत्रोच्चारण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने भावपूर्ण एवं स्पष्ट उच्चारण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य हरिंद्र सिंह लांबा के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा न केवल भारत की सांस्कृतिक आत्मा है, बल्कि यह वैज्ञानिकता, तार्किकता और आध्यात्मिक ज्ञान की समृद्ध धरोहर भी है। श्लोक और मंत्रों का उच्चारण हमारे मन-मस्तिष्क को शांति, संतुलन और ऊर्जा प्रदान करता है। छात्रों द्वारा किया गया यह प्रयास प्रशंसनीय है जो उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ता है। इसके पश्चात विद्यालय के संस्कृत शिक्षक डॉ. गौरव शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं बल्कि एक जीवन पद्धति है। शुद्ध उच्चारण, सही भाव और आध्यात्मिक अनुशासन से जब श्लोकों का पाठ किया जाता है।

लिपिक की बहाली को लेकर सड़कों पर उतरेंगे बिजली कर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- चार सप्ताह बाद भी कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन का निगम पर नहीं हो रहा असर

जिले की सभी छह बिजली सब यूनिटों पर लिपिक गुरविंदर के निलंबन में धरना-प्रदर्शन जारी है। सब डिविजन नंबर 2 के धरने प्रदर्शन पर विशेष रूप से सर्कल सचिव अंबाला राज कुमार, यूनिट प्रधान सतबीर देसवाल, यूनिट सचिव सोनू यादव शामिल हुए। सर्कल सचिव राज कुमार ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अंबाला कैंट यूनिट के विरोध प्रदर्शन को आज 4 हफ्ते पूरे हो गए हैं। इस दौरान यूनियन के पदाधिकारी लिपिक गुरविंदर की बहाली के लिए धरना प्रदर्शन सभी कार्यालयों में करा रहे है, इसके साथ-साथ वे निगम अधिकारियों के भी संपर्क में है और अपनी जायज मांग को बिजली मंत्री अनिल विज के सामने भी रख चुके हैं लेकिन एक छोटे तबके के कर्मचारी जिसका परिवार का पालन पोषण इस नौकरी के माध्यम ही चल रहा है, उसको अभी तक न्याय नहीं मिला। उसको निगम द्वारा चार्जशीट भी कर दिया है लेकिन अभी तक लंबित जांच के आधार पर बहाल नहीं किया गया है। ये सारे तर्क रखने के बावजूद भी लिपिक बहाली के लिए न तो निगम अधिकारी गंभीर है और न ही मंत्री की तरफ से कोई ठोस आश्वासन लिपिक की बहाली के लिए मिला है। उनका गृह क्षेत्र होने के कारण यूनियन उनसे लगातार अपील कर रही है कि लिपिक गुरविंदर के साथ अन्याय न हो और साथी को तुरंत बहाल किया जाए। यूनिट प्रधान सतबीर देसवाल ने कहा कि कर्मचारियों के लिए इस समय बहुत विकट परिस्थिति आ गई है। यूनियन प्रदर्शन के आगामी पड़ाव में जाएगी। अगले हफ्ते में कर्मचारी अपनी व्यथा को सुनाने के लिए सड़कों पर उतरेंगे और जुलूस निकालकर प्रदर्शन करेंगे।

दिनदहाड़े ज्वेलर से लूट की कोशिश ज्वेलर ने आरोपी को काबू किया

अंबाला। अंबाला छावनी के सर्राफा बाजार स्थित जाह्नवी ज्वेलर्स के मालिक संजय वर्मा की दुकान पर लूट की कोशिश हुई है। दुकान में घुसे एक युवक ने पहले संजय वर्मा की आंखों में मिर्ची डाली और फिर तेजधार हथियार से उनके सिर पर कई वार किए। घायल होने के बावजूद उन्होंने हमला करने वाले युवक का गिरेबान नहीं छोड़ा और उसके साथ भिड़ गए। इस दौरान आरोपी युवक ने खुद को छुड़वाने का भरसक प्रयास किया लेकिन संजय वर्मा ने उसके धकेलते हुए दुकान से बाहर कर दिया और शोर मचाकर आसपास के दुकानदारों को इक्ट्ठा कर लिया। दुकानदार तुरंत मौके पर पहुंचे और युवक को पकड़ लिया। मामले की सूचना मिलते ही कैंट थाने के प्रभारी अजैब सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल दुकानदार से जानकारी हासिल की। इसके बाद युवक को कब्जे में ले जाकर थाने लाया गया और संजय वर्मा के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने मामला दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

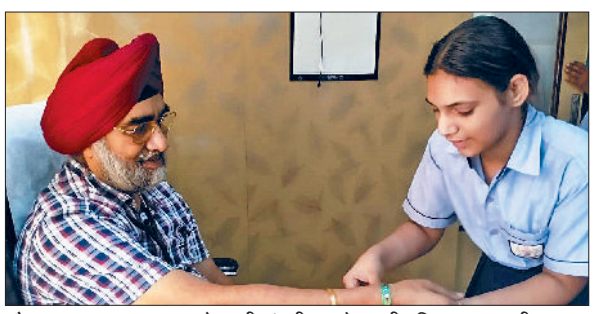

कैथल। डा. एमएस शाह को राखी बांधती आरकेएसडी पब्लिक स्कूल की छात्रा।

छात्रों ने बांधे रक्षा सूत्र

कैथल। आरकेएसडी स्कूल में नन्हे-मुन्नों व छात्र-छात्राओं द्वारा शहर के विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं में जाकर रक्षा बंधन का पावन और पवित्र त्योहार मनाया गया। स्कूल के छात्र-छात्राएं कई संस्थाओं जैसे— शाह सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, फायर ब्रिगेड ऑफिस, पीडब्ल्यूडी ऑफिस, पुलिस थाना आदि में गए और वहां डॉक्टर शाह, एसपी आस्था मोदी, पीडब्ल्यूडी एक्सियन श्री वरूण कंसल ट्रैफिक अधिकारी नरेश कुमार व फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को राखी के उपलक्ष में रक्षा सूत्र बांधे। स्कूल की प्रधानाचार्या निवेदिता भट्ट ने बताया कि राखी का त्योहार भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। त्योहार भाई पर बहन की रक्षा के दायित्व का प्रतीक है और बहनों द्वारा अपने भाइयों की लंबी आयु की मनोकामना का है।

200 मीटर में सुर्यांश ने मारी बाजी

- खेल प्रतियोगिता में विवेकानंद विद्या निकेतन के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हाल ही में आयोजित ब्लॉक स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में विवेकानंद विद्या निकेतन के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अपने नाम किए और विद्यालय का नाम रोशन किया। शतरंज अंडर 11 में सान्वी, सेल्वी, दिया, रक्षिता और कायना की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अथलेटिक्स अंडर 11 में 100 मीटर दौड़ में सुर्यांश ने प्रथम तथा रोमित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में सुर्यांश प्रथम रहे। 400 मीटर में रोमित ने तृतीय स्थान हासिल किया। एथलेटिक्स अंडर 14 में हाई जम्प में ईशांत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 80 मीटर हर्डल रेस में ईशांत ने द्वितीय तथा रुद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रहे खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

उचाना। प्रतियोगिता में रस्सा-कस्सी में दमखम दिखाते खिलाड़ी।

खंडस्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

उचाना। गांव खरकभूरा के खेल परिसर में खंडस्तरीय प्राइमरी अंडर 11 का शुभारंभ प्रिंसिपल करसिंधु जियालाल द्वारा किया गया। लड़कियों की 800 मीटर दौड़ को रही झंडी दिखा कर प्रतियोगिता की शुरूआत की। सरकारी, गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। 500 के करीब खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता ने हिस्सा लिया। जियालाल ने कहा कि प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार खिलाड़ियों के लिए हर प्रकार की सुविधा प्रदान करती है। शिक्षा विभाग विद्यार्थियों को खेलों में बढ़ावा देने के लिए खंड स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। प्रतिभाओं की कमी नहीं है। खंड स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से प्रतिभाओं को आगे आने के अवसर मिलते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को रूचि लेनी चाहिए।

श्रावणी पर्व पर किया तर्पण

राजौंद। श्रावणी पर्व मनुष्य को देव, ऋषि व पितृ दोष से मुक्ति दिलाता है तथा दोष निवारण के लिए तर्पण अनुष्ठान में शामिल होने मात्र से मनुष्य दोष मुक्त हो जाता हैं। आचार्य पंडित राम भगत हरित ने नगर के जींद रोड पर स्थित नहर के किनारे आयोजित तर्पण कार्यक्रम के दौरान कहे। कार्यक्रम के संयोजक आचार्यों ने बताया कि इस आयोजन को पिछले लगभग 72 वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित कर रहे हैं। तर्पण के उपरांत विधि पूर्वक सप्तऋषि पूजा, यज्ञोपवीत पूजा तथा हवन यज्ञ किया गया, जिसमें सभी ने पूर्ण आहुति डालकर पुण्य कमाया। आचार्यों ने बताया कि यज्ञोपवीत धारण करने वाले व्यक्ति को यज्ञ में आहुति धर्म-कर्म अनुष्ठान करने का अधिकार प्राप्त होता है। यज्ञोपवीत धारण करने से गायत्री की दीक्षा मिलती है तथा गायत्री जप का फल प्राप्त होता है। श्रावणी कर्म इंसान के मन, वचन, काया से किए पाप कर्मों का प्रायश्चित माना गया है। आचार्य राम भगत हरितस, राजेंद्र शर्मा, सोनू दीक्षित, सतबीर शास्त्री, संजीव हरित, जयदेव कौशल, रमेश कुमार, सतीश कौशल, अमित करोड़ा, धर्मवीर आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

जस्टिस हरिपाल वर्मा ने जेल का किया मुआयना, बंदियों को मिल रही सुविधाओं का किया अवलोकन

अंबाला सेंट्रल जेल की बेकरी में खाने की चीजों का टेस्ट लाजबाव, लोकायुक्त ने खरीदी दो टोकरियां

लाइब्रेरी व छोटे बच्चों के लिए बनाए गए क्रेच की व्यवस्था को भी जांचा

हरिभूमि न्यूज.अंबाला

लोकायुक्त जस्टिस हरिपाल वर्मा ने शनिवार को केंद्रीय कारागार का दौरा किया। यहां उन्होंने बंदियों को जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। इससे पहले यहां पहुंचने पर जेल अधीक्षक सतविंद्र गोदारा ने जस्टिस हरिपाल वर्मा को पुष्पगुच्छ देकर अभिनन्दन किया।

लोकायुक्त ने केंद्रीय कारागार का अवलोकन करने से पहले जेल अधीक्षक से बंदियों की संख्या से लेकर उनको मिल रही सुविधाओं की पूरी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबसे पहले महिला वार्ड में जाकर महिला बंदियों से बातचीत की। उन्हें जेल प्रशासन द्वारा की ओर से दी जा रही सुविधाओं की जानकारी भी ली। इस दौरान उन्होंने यहां पर बंदियों के लिए स्थापित लाइब्रेरी व छोटे बच्चों के लिए बनाए गए क्रेच की व्यवस्था को भी जांचा। इन सुविधाओं को उपलब्ध करवाए जाने पर जेल प्रबंधन की प्रशंसा भी की। इसके उपरान्त उन्होनें अन्य बंदियों से भी बातचीत की। उन्हें कानूनी सुविधाओं के साथ-साथ अन्य सुविधाओं के बारे में भी पूछा। लोकायुक्त ने बंदियों के लिए बनाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए रसोई घर का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने भोजन की गुणवत्ता के बारे भी जानकारी ली। जेल अधीक्षक ने लोकायुक्त को बताया कि जेल प्रशासन द्वारा नियमानुसार बंदियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य किए जाते हैं। बंदियों को कानूनी सुविधा मुहैया करवाने के दृष्टिगत यहां पर डीएलएसए द्वारा सुविधा उपलब्ध करवाई गई हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायधीश के साथ-साथ अन्य न्यायधीश भी समय समय पर यहां का जायजा लेते हैं।

अंबाला सेंट्रल जेल की बेकरी यूनिट का मुआयना करते लोकायुक्त।

सभी को रक्षा बंधन पर्व की शुभकामनाएं दी

जेल अधीक्षक ने उन्हें बताया कि मैन्यू के अनुसार बदल-बदल कर यहां पर बंदियो के लिए भोजन बनाया जाता है। साफ-सफाई की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य सभी व्यवस्थाएं यहां पर उपलब्ध हैं। इसके बाद उन्होंने बेकरी यूनिट का भी निरीक्षण किया। यहां पर बंदियों द्वारा जो उत्पाद तैयार किए गए थे, उसकी जमकर सराहना की। यहां तैयार किए गए खाद्य पदार्थों की दो टोकरियां खरीदकर उनका उत्साह वर्धन भी किया। इसके बाद उन्होंने जेल रेडियो ब्लॉक का भी जायजा लिया। यहां पर रक्षा बंधन के पर्व के अवसर पर अपने समक्ष राखी पर्व के गीत भी चलवाए। सभी को रक्षा बंधन पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

स्वाधीनता दिवस विशेष

रोहतक, रविवार
10 अगस्त 2025

P-1

आवरण कथा
ओम निश्चल

हम सब देशवासी आगामी 15 अगस्त 2025 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाएंगे। कदम-कदम आगे बढ़ते हुए हमने कई अभूतपूर्व सफलताएं हासिल कीं, नए-नए मुकाम को छुआ। हम निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर भी हैं। लेकिन आज भी देश में कुछ ऐसी चुनौतियां बरकरार हैं, जिनका निवारण किए बिना हम अपना प्राचीन गौरव प्राप्त नहीं कर पाएंगे। इसके लिए देश के हर नागरिक के मन में स्वाधीनता के प्रति सम्मान भाव होना अत्यंत आवश्यक है।

79वां स्वतंत्रता दिवस

आजादी की फलश्रुति

एक-एक कदम हौले-हौले चलते हुए हम सब भारत देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। एक लंबी यात्रा हमने आजादी के बाद तय कर ली है। 1947 से 2025 तक की स्वातंत्र्योत्तर यात्रा में देश ने तमाम क्षेत्रों में बहुत तरक्की की है, कृषि उत्पादन एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल की है वरना एक ऐसा दौर था, जब गेहूं भी अमेरिका से आयात करना पड़ता था। उद्योग धंधों के क्षेत्र में भी लघु उद्योग सेक्टर और मझोले उद्योगों की स्थापना एवं विकास में देश ने मजबूती से कदम रखा है। तकनीकी सामर्थ्य की दिशा में भी देश ने अग्रतर स्थिति हासिल की है। आजादी के बाद बनी पंचवर्षीय योजनाओं के फलस्वरूप हर क्षेत्र में देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हुआ। आजादी के बाद देश में बड़े-बड़े बांध बने, विद्युत परियोजनाएं लगाई गईं, सिंचाई के लिए नहरों का संजाल तैयार किया गया। बड़े-बड़े हाईवेज बने, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ ताकि हर व्यक्ति को बैंकिंग योजनाओं का लाभ मिले। यानी, आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में तरक्की की है।

हर वर्ग ने निभाई अपनी भूमिका: आजादी की लड़ाई किसी एक व्यक्ति, मजहब, संस्कृति या समुदाय ने नहीं लड़ी थी। इसमें तैंतीस करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी रही थी। राजनैतिक आजादी तो सन 1947 में ही हमें मिल गई थी। लेकिन आजादी का मिलना तब सार्थक हो सकता है, जब सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हर क्षेत्र में देश तरक्की, करता हुआ दिखे। यों तो इस आजादी को हासिल करने में नेता, पत्रकार, किसान, मजदूर, किशोर, युवा, वृद्ध, स्त्री-पुरुष सबका योगदान रहा। उसके परिणामस्वरूप ही हमें आजाद भारत मिल सका। आजादी के बाद हासिल उपलब्धियों को तो हम सब देखते ही हैं, लेकिन एक लेखक हर क्षेत्र में आजादी की आकांक्षाओं के प्रतिफल को गहराई से महसूस करता है। वह नेता, अभिनेता, चिंतक, समाजशास्त्री एवं अर्थशास्त्री आदि अनेक भूमिकाओं में होता है। वही होता है, जो बिना लाग-लपेट के देश की वाकई तरक्की को अपने मानक पर कसता है, तभी वह दुष्यंत कुमार के शब्दों में यह लिख सकता है- *यहां तक आते-आते सूख जाती हैं कई नदियां। हमें मालूम है पानी कहां ठहरा हुआ होगा।*

दुर्भाग्यवश धीरे-धीरे कलमकार भी अपनी नैतिकता भूलते गए। इसी पर कवि गोपाल सिंह नेपाली ने अपने एक गीत में लिखा है- *तुझ-सा लहरों में बह लेता/ तो मैं भी सत्ता, गह लेता/ ईमान बेचता चलता तो/ मैं भी महलों में रह लेता/ हर दिल पर झुकती चली मगर/ आंसू वाली नमकीन कलम/ मेरा धन है स्वाधीन कलम/ आजादी मिलने का मोह भंग भी हुआ।*

धीरे-धीरे लेखक की स्वाधीन चेतना भी सुप्त हो गई, उसकी कलम पूंजीपतियों और इजारेदारों के गुण गाने लगी। यही वजह है कि विभाजन के दंश और आजादी के लिए 1857 से किए गए संघर्ष के बाद और जलियांवाला बाग के नृशंस हत्या कांड के बाद मिली आजादी का फल लूटने में होड़ लग गई। देश बनाने वाले और उसे स्वाधीन कराने वाले तो नेपथ्य में चले गए और स्वार्थी लोग चांदी काटने लगे।

आजादी मिलने के बाद आजादी मिलने का मोहभंग भी उतना ही प्रभावी हुआ और होता गया। यह ऐसा ही दौर था, जब 'मैला आंचल', 'पानी के प्राचीर' और 'राग दरबारी' जैसी रचनाएं लिखी गईं। लिहाजा आजादी मिलने की उपलब्धियों की बंदरबांट होने लगी।

आजादी के शुरुआती दौर में अज्ञेय जैसे कद्दावर लेखक ने भी एक निबंध में लिखा था, 'मिला सब कुछः सब बेपेंदी का। शिक्षा मिली उसकी नींव, आत्म गौरव नहीं मिला, राष्ट्रीयता मिली, उसकी नींव, अपनी ऐतिहासिक पहचान नहीं मिली, यानी आजादी में जन्मे-पले मुझको-आजादी के आदि पुरुष को चेहरा मिला, व्यक्तित्व नहीं मिला... और बिना व्यक्तित्व के चेहरा क्या होता है? स्पष्ट है कि वह फकत चेहरा होता है। पहन लो, उतार लो, उस पर अलकतरा पोत दो चूना लगा दो... और यही सब तो हम कर रहे हैं... हर कोई कर रहा है।' (कवि मन, पृष्ठ 63) हमारे समय के एक बड़े कवि का यह विक्षुब्ध कथन है आजादी और उसकी फलश्रुति को लेकर।

क्यों बंटते गए दायरों में हमः यह सोचने की बात है कि जिस जज्बे से आजादी पाने के लिए हर नागरिक संघर्षरत था। सभी धर्म, संप्रदाय, जाति, वर्ण के लोग, यहां तक कि पूंजीपति भी देश की आजादी के लिए तन, मन, धन से लगे थे। सभी में राष्ट्रीय चेतना की अलख जग रही थी। भले आजादी के महासमर में गांधी, सुभाषचंद्र बोस, नेहरू और पटेल जैसे चंद बड़े नायक ही नजर आते हों पर आजादी की लौ जलाने में सभी का बराबर का हाथ रहा है। किंतु क्या हमने कभी सोचा कि इस आजादी का हमने क्या किया? हम मजहबी संकीर्ण दायरों में बंटते गए, हम वर्णों, जातियों, नस्लीय भेदभाव में बंटते गए, हम उत्तर-दक्षिण में बंटते गए। जिस आजादी के लिए सबका खून-पसीना बहा, उस आजादी की हम कीमत वसूलने में लग गए। भारत माता के लिए इससे बड़ी चिंता की बात क्या हो सकती है।

वैश्विक शक्ति बनने का सामर्थ्यः इतनी विषमताओं के बावजूद, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।' भारत विश्व की कूटनीति के सम्मुख अडिग होकर खड़ा रह पाया है तो यह इसकी सफल विदेश नीति का ही परिचायक है। देखते-देखते देश तरक्की की पायदान पर अग्रसर है। देश तमाम क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हुआ है, जहां सुई तक नहीं बनती थी, आज हम अनेक चीजें, शोधित तेल, खाद्यान्न, वस्त्रादि विदेशों को निर्यात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रभुत्व में सिलीकॉन वैली के भारतीय तकनीकविदों की बड़ी भूमिका है। भारत आजादी के इन अठहत्तर सालों में आज आर्थिक स्तर पर एक महाशक्ति बन चुका है। सैन्य शस्त्रों और अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में हम निरंतर नए क्षितिज को स्पर्श कर रहे हैं। यही नहीं सदियों पुरानी अपनी संस्कृति व ज्ञान परंपरा के नाते हम विश्वगुरु बनने का भी सामर्थ्य रखते हैं। यह ऋषियों, संतों, महात्माओं की तपोभूमि रही है, यह अपरिग्रह, सदाचार, अहिंसा और सर्वधर्मसमभाव की भूमि है। हमने पूरी विश्व-वसुधा को मानवता के नाते एक समझा है। हमने विश्व के कमजोर मुल्कों का हर मुसीबत में साथ दिया, हर स्तर पर विश्व शांति की पहल और अपीलें की हैं। हमने विश्व स्तर पर रंगभेद का विरोध किया। इसीलिए विश्व में हमारी सबसे अलग प्रतिष्ठा है।

सशक्त राष्ट्र निर्माण में निभाएं भूमिकाः हालांकि अभी हमारे सम्मुख चुनौतियां भी कम नहीं हुई हैं। चिंता इस बात की है कि दलीय संकीर्णताएं ज्यादा हावी हैं, जाति, मजहब विचारधारा और सामाजिक स्तर पर लोग बंटे-बंटे से नजर आते हैं। आज आजाद हुए 78 साल हो गए हैं पर हम न भूलें कि अब यह बाहर से दिखने वाली गुलामी का दौर नहीं, यह सूक्ष्म गुलामी का दौर है- हमारी भाषा, हमारी संस्कृति, हमारे सोच पर हमले इतने सूक्ष्म हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल है। ऐसे सूक्ष्म हमलों के प्रति हमें सावधान रहना है। सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए हमें आपस में बांटने वाली सोच और अलगाववादी ताकतों से सावधान रहना होगा। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जहां हर नागरिक स्वाभिमान का अनुभव कर सके और उसे यह लगे कि यह देश उसका है, उसके सुख-दुख का साथी और उसके हितों का पहरुआ है। तभी सही मायने में देश का हर नागरिक स्वयं को आजाद, समृद्ध और सुरक्षित महसूस करेगा। इसके लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर भूमिका निभाने के लिए संकल्पित होना होगा। *

सदियों के संघर्ष के बाद आर्थिक रूप से कमजोर देश रहा भारत, आज अगर विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना है तो इसके पीछे हमारा निरंतर संघर्ष और सही दिशा में किया गया प्रयास ही रहा है। कैसे हासिल की हमने यह उपलब्धि, उस पर एक नजर।

हर चुनौती को पार कर

हम बने आर्थिक महाशक्ति

उपलब्धि
लोकमित्र गौतम

दो शताब्दियों तक परतंत्र रहने के बाद जब 1947 में भारत आजाद हुआ, तो हमें राजनीतिक आजादी तो मिल गई, लेकिन आर्थिक आजादी अभी भी दूर का सपना था। इस राजनीतिक आजादी के लिए हमने विभाजन की जो विभीषिका झेली थी और ढाई शताब्दियों तक हमारा जिस तरह से औपनिवेशिक शोषण हुआ था, उस सबके कारण कृषि पर आधारित हमारी अर्थव्यवस्था बेहद पिछड़ी हुई थी और औद्योगिकीकरण का हमारे पास लगभग न के बराबर आधार था। ऐसे में आजादी के बाद भारत को अपनी आर्थिक दिशा खुद तय करनी थी। हर तरफ चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। लेकिन इन्हीं चुनौतियों के बीच से हमने 78 सालों में अपनी जो आर्थिक यात्रा तय की है, वह महज आंकड़ों का खेल नहीं है। वह हमारे 78 वर्षों की अथक मेहनत, आत्मावलोकन और साहसिक निर्णयों का परिणाम है।

फर्श से पहुंचे अर्श परः हमारी आर्थिक उपलब्धि, किसी तरह की तुलना या इम्तिहान के लिए नहीं है। हमने पिछले 78 सालों में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वो हमारे आत्मगौरव की जीती-जागती कहानियां हैं। साल 1947 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज की कीमतों पर महज 2.7 लाख करोड़ रुपए था। जबकि 78 सालों बाद आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2024-25 के आकलन के मुताबिक हमारा सकल घरेलू उत्पाद 33.2 लाख करोड़ रुपए है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमने 78 सालों में करीब 3100 फीसदी आर्थिक प्रगति की है। ये उपलब्धियां और ये आर्थिक विकास हमने पिछले 78 सालों में दिन-रात की मेहनत के बाद हासिल किया है।

करना पड़ा कठिन संघर्षः जब भारत से अंग्रेज गए थे, तो हमारा औद्योगिक उत्पादन नगण्य था। हमारा बुनियादी ढांचा पूरी तरह से ध्वस्त था, क्योंकि आजादी के लिए हमने 1857 से लेकर 1947 तक यानी 90 साल तक युद्ध लड़ा था। इस कारण अंग्रेज इस दौरान भारत के अधिक से अधिक संसाधन लूटकर इंग्लैंड ले गए थे और जब उनको ये मालूम पड़ा कि वह अब भारत में नहीं रह सकते, तो उन्होंने हमारे बुनियादी आर्थिक विकास पर विशेषकर औद्योगिक विकास पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया बल्कि अपने ढाई सौ सालों के कार्यकाल में उन्होंने जो आर्थिक ढांचा खड़ा किया था, उसे भारत से जाने के पहले बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। जिस समय भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था, हम मूलतः कच्चा माल आपूर्ति करने वाले एक उपनिवेश देश भर थे। इसलिए जरूरी था कि आजादी के बाद भारत का पूरी तरह से आर्थिक पुनर्निर्माण होता और ऐसा ही हुआ।

निरंतर बढ़ते रहे आगेः साल 1950 से 1980 के दौरान भारत ने नियोजित अर्थव्यवस्था की जबर्दस्त कीमत चुकाई। क्योंकि योजनाबद्ध ढंग से विकास करने का एकमात्र यही रास्ता था। जिस कारण लंबे समय तक हमारी आर्थिक विकास दर 3 से 3.5 के बीच रही। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसी विकास दर के दौरान हम परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, हरित क्रांति और देश में भारी उद्योगों का निरंतर जाल भी बिछाते रहे, जो हमारी अथक मेहनत और दूरदृष्टि का नतीजा था।

लागू किए आर्थिक सुधार कार्यक्रमः 78 सालों के विकास क्रम को देखें तो 1991 के बाद वैश्विक दबावों के बीच हमने आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए, विशेषकर 1991 में तब, जब हमारे पास सिर्फ 15 दिनों के आयात भर के लिए विदेशी मुद्रा शेष थी। उस समय हमने आईएमएफ के पास अपना सोना गिरवी रखकर कर्ज लिया और आज स्थिति यह है कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 650 अरब डॉलर से भी ज्यादा का है। 2024 में तो एक समय यह 724 अरब डॉलर की ऊंचाई को भी पार कर गया था। आज भारत आईटी, फार्मा, रक्षा, डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आर्थिक ताकत है।

दूर करनी होंगी कमजोरियांः हालांकि हमारी अर्थव्यवस्था की कुछ बड़ी कमजोरियां भी हैं, जो आज भी हमें प्रतिव्यक्ति आय के मामले में दुनिया के गरीब देशों की कतार का हिस्सा बनाती हैं। आज भी भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त रोजगार नहीं है, जिस कारण गांवों से शहरों की ओर तूफानी रफ्तार से पलायन हो रहा है। हमारे देश के असंगठित औद्योगिक क्षेत्रों की आज भी पहाड़ सरीखी चुनौतियां हैं और आज भी हमारे विदेशी मुद्रा भंडार का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा कच्चे तेल के आयात पर खत्म होता है। बावजूद इसके भारत आज अपने आपमें एक आर्थिक शक्ति है। साल 2017 के बाद से अब तक हम दुनिया के सर्वाधिक तीव्र गति से विकास करने वाले देश हैं। *

दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे

शोभित,सुरभित,तेजमय,पावन अरु अभिराम।
राष्ट्र हमारा मान है, लिए उच्च आयाम।।

राष्ट्र-वंदना मैं करूं, करता हूं यशगान।
अनुपमेय, उत्कृष्ट है, भारत देश महान।।

नदियां, पर्वत, खेत, वन, सागर अरु मैदान।
नैसर्गिक सौंदर्यमय, मेरा हिंदुस्तान।।

लिए एकता अति मधुर, गीता और कुरान।
दीवाली-होली सुखद, एक्यभाव-पहचान।।

सारे जग में शान है, मान रहा संसार।
राष्ट्र हमारा है प्रखर, फैलाता उजियार।।

मातु-पिता, गुरु, नारियां, पातीं नित सम्मान।
संस्कार मम राष्ट्र की, है चोखी पहचान।।

तीन रंग के मान से, हैं हम सब अभिभूत।
राष्ट्रवंदना कर रहे, भारत मां के पूत।।

राष्ट्रप्रेम अस्तित्व में, आया नवल विहान।
कण-कण करने लग गया, भारत का यशगान।।

भारत की सीमाओं पर, जमे हुए हैं लाल।
शौर्य, वीरता देखकर, होते सभी निहाल।।

आजादी की वंदना, करता सारा देश।
आओ, हम रच दें यहां, वासंती परिवेश।।

सरोकार
शैलेंद्र सिंह

तब नई पीढ़ी भी समझेगी

स्वाधीनता की कीमत

देश की जो पीढ़ी पिछली सदी के अंत में या इक्कीसवीं सदी में जन्मी है, उसकी जीवनशैली कई मायने में विशिष्ट है। इसलिए उनको स्वाधीनता की कीमत समझाने के लिए कुछ अलग प्रयास करने होंगे।

आजादी का मतलब सिर्फ गुलामी से मुक्ति भर नहीं होता। आजादी उस आत्मसम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की अनुभूति है, जो किसी भी समाज के पूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन जब हम आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर अपनी डिजिटल पीढ़ी यानी जेन जेड और अल्फा जनरेशन की तरफ नजर उठाकर देखते हैं, तो बहुत निराशा होती है, क्योंकि इन्हें आजादी की कीमत का मानो कोई भान ही नहीं है। दरअसल, इन पीढ़ियों के लिए आजादी एक डिफॉल्ट सेटिंग की तरह है। ये पीढ़ी किसी संघर्ष या बलिदान की विरासत की हिस्सेदार नहीं रही है और न ही इसे आजादी के लिए अपनी जिंदगी में किसी तरह की कोई कीमत चुकानी पड़ी है। ऐसे में इन्हें आजादी की कीमत भी समझ आए तो भला कैसे?

डिजिटल जनरेशन की दुनियाः हमारी जेन जेड और अल्फा जनरेशन वास्तव में डिजिटल जनरेशन है। इनकी दुनिया इसके पहले की पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इन्हें 24X7 मोबाइल चाहिए, रील चैटबॉट और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स भी चाहिए। इनके पास सूचना का अकूत भंडार है, लेकिन अपने अनुभवों की मुट्ठी भर पूंजी नहीं है। स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति, पसंद का पहनावा और प्यार जैसी हर चीज पर इनका अधिकार है और इनको लगता है यह तो सब जन्मसिद्ध अधिकार है यानी, ये तो हर किसी को मिलते ही मिलते हैं। इनके दिमाग में कभी नहीं आता कि संविधान प्रदत्त अधिकार हमें कितनी कुर्बानियां देकर मिले हैं? हमारी पूर्वज पीढ़ियों को इन्हें पाने के लिए कितनी यातनाएं सहनी पड़ी थीं? न जाने कितने लोग जेल गए, न जाने कितने लोग जेल में ही मर गए, हजारों लोगों ने फांसी का फंदा चूमा। आजादी के लिए अपने सारे सपनों को दांव पर लगा दिया, तब कहीं जाकर हमें यह आजादी मिली है। लेकिन डिजिटल जनरेशन को इस सबका प्रायः कोई एहसास नहीं होता है।

नए जमाने की जीवनशैलीः हालांकि यह नई जनरेशन संवेदनहीन नहीं है। जलवायु परिवर्तन के लिए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए, लैंगिक समानता के लिए और जानवरों को लेकर संवेदनशीलता इस पीढ़ी में भी खूब है। मगर अपने जमाने के मुद्दों के लिए। नई पीढ़ी विरोध और विद्रोह करने से नहीं डरती बल्कि पिछली पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यवस्थित सुधारों और बदलावों की मांग करती है। लेकिन देखने वाली बात यह है कि इसका ज्यादातर विरोध ऑनलाइन होता है या कहें यह ऑनलाइन विरोध के लिए खुद को ज्यादा फिट पाती है। वास्तविक धरातल पर इसे उतरना कम पसंद है। उनकी इस सोच के लिए नई पीढ़ी को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाली पुरानी पीढ़ी को भी कुछ बातें याद रखनी होंगी। पुरानी पीढ़ी के लोग सोचते हैं देश, दुनिया, इतिहास और वर्तमान को लेकर जिस तरह की सोच वो रखते हैं, वैसी ही यह नई पीढ़ी भी रखे। सवाल है, आज की पीढ़ी क्यों अपनी पिछली पीढ़ियों की तरह आजादी को लेकर संवेदनशील नहीं है?

पिछली पीढ़ी निभाए दायित्वः मध्य वय और बुजुर्ग वय से गुजर रही पीढ़ी को समझना होगा कि सिर्फ कुछ ऐतिहासिक घटनाओं की बात करने भर से नई पीढ़ी आजादी की लंबी लड़ाई को लेकर अपने पूर्वजों की कृतज्ञ नहीं हो जाएगी। हमें इस पीढ़ी को उन लाखों लोगों की सच्ची कहानियां भी बतानी होगी, जो साधारण लोग थे और आजादी के लिए कुर्बान हो गए। हजारों किसान, लाखों मजदूर, आदिवासी, स्त्रियां, पत्रकार, आम दस्तकार और शिक्षक जैसे सैकड़ों विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने आजादी के लिए अपने आपको मिटा दिया। हमारी नई पीढ़ियां आजादी में सांस ले सकें, इसलिए पुरानी पीढ़ियों ने खुद को आजादी के संघर्ष की नींव में कैसे गला दिया। हमें नई पीढ़ी को बिना लाग-लपेट के, बिना किसी तरह के अतिवादी जिक्र के, इन आम लोगों के दुख दर्द को भी साझा करना होगा। हमें नई पीढ़ी को ये समझाना होगा कि लाखों जीवंत उदाहरणों से कि हमें जो आजादी मिली है, वह तर्क-वितर्क से नहीं मिली, वह कुछ गिने चुने लोगों के प्रताप से नहीं मिली बल्कि लाखों लोगों की कुर्बानियों से मिली है। जब हम अपनी नई जनरेशन को आजादी की लड़ाई लड़ने वाली पीढ़ी का समूचा ब्योरा सौंपेंगे, तब कहीं जाकर इस पीढ़ी में इस सबके प्रति संवेदना उमड़ेगी। हमें नई पीढ़ी को बताना होगा कि संविधान का उपहार हमें यूं ही नहीं मिल गया।

उनके सवालों का दें तार्किक जवाबः नई पीढ़ी अकसर सवाल पूछती है कि स्वाधीनता सेनानियों ने ऐसा क्यों नहीं किया? वैसा क्यों नहीं किया? तो हमें इस पीढ़ी को बताना होगा कि यह पूरा मसला महज कुछ चाहने और कह देने भर का नहीं था। ये बेहद जटिल और बेहद दुरुह मसले थे, इतना आसान नहीं है यह कहना कि फलां ने यह क्यों नहीं किया? कई बार इतिहास की कुछ विरासतें हमारे नियति का हिस्सा होती हैं। विभाजन भी ऐसी ही नियति थी। पुरानी पीढ़ी को जरूरत है कि वह नई पीढ़ी के लिए सिर्फ उपदेशक न बने, बल्कि इस बात की गहराई से पड़ताल करे कि आखिर उसे आजादी के अथक संघर्ष को लेकर उतनी संवेदनशीलता क्यों नहीं है, जितनी होनी चाहिए? तब हम नई पीढ़ी को आजादी की कीमत समझाने में सफल हो सकेंगे। अगर आज की नई पीढ़ी अपने तरीके से आजादी की परिभाषा गढ़ना चाहती है, तो यह उसका हक है। लेकिन जिन्होंने आजादी की लड़ाई में खुद को कुर्बान करके हमारे लिए स्वतंत्रता अर्जित की है, उन्हें यूं ही नहीं भूला जा सकता। पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी को इसके महत्व और इसकी संवेदनशीलता को समझाए। यह पीढ़ी तेज है, त्वरित अंदाज में निर्णय लेती है, इसलिए अगर इस पीढ़ी को यह बात सही तरीके से बता दी जाए कि हमें जो आजादी हासिल है, वह लाखों लोगों के बलिदान और देशभक्ति का नतीजा है, तो नई पीढ़ी को आजादी का पाठ पढ़ाना और उसके लिए पर्याप्त संवेदनशील बनाना इतना मुश्किल नहीं होगा। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

प्रतिबंधित पत्रकारिता के अनसुने किस्से

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान सिर्फ आंदोलनकारी ही जेल नहीं भेजे गए बल्कि आंदोलन के समर्थन में पत्र-पत्रिकाएं निकालने वाले अनेक संपादकों को भी जेल में डाल दिया गया था। साथ ही अनेक अखबार या उनके विशेष अंक प्रतिबंधित कर दिए गए थे। ऐसे ही प्रतिबंधित अंकों की खोजबीन कर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के प्रोफेसर, संतोष भदौरिया ने उसे पुस्तक रूप दिया है, जिसका नाम है-अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता।

किताब भारत में स्वाधीनता आंदोलन के विकास की चर्चा से शुरू हुई है, जिसमें लेखक ने इसके विभिन्न चरणों के बारे में संक्षिप्त किंतु उपयोगी जानकारी दी है। इसमें लेखक ने स्वाधीनता आंदोलन के विभिन्न चरणों की विशेषताओं के साथ व्यावहारिक कमियों को भी उजागर किया है। साथ ही आंदोलन के उत्तरोत्तर विकास का क्रमबद्ध तरीके से वर्णन किया है। लेखक ने अंग्रेजी राज में प्रतिबंधित, प्रेस अधिनियम के चलते बंद या आर्थिक अभाव की वजह से बंद हुई सभी पत्र-पत्रिकाओं का लगभग पूरा इतिहास खंगालने का प्रयास किया है।

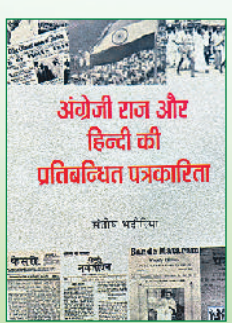

पुस्तक इस मायने में बेहद दिलचस्प है कि प्रतिबंधित पत्रिकाओं में छपे विचार, लेख, कविताओं के अंश भी इसमें दिए गए हैं, जिन्हें आज के समय में पढ़ना एक नए अनुभव से गुजरना है। उस दौर के लेखकों की क्रांतिकारी कविताओं को पढ़कर उस वक्त के भारतीय लोगों के मन में मौजूद राष्ट्रप्रेम के उफान को समझा जा सकता है। मिसाल के तौर पर 'बुंदेलखंड केसरी' में छपी एक कविता को देख सकते हैं, 'देख दशा भारत की हमने निश्चय मन में ठाना है। मातृभूमि की बलिवेदी पर निज बलिदान चढ़ाना है।' प्रतिबंधित पत्र-पत्रिकाओं के छपने के तमाम अनसुने किस्सों को पढ़कर यह पता चलता है कि किताब को लिखने के लिए लेखक ने शोध कार्य में कितना परिश्रम किया है। यह उनके परिश्रम का ही नतीजा है कि किताब ऐतिहासिक विषय पर आधारित होने के बावजूद कहीं भी बोझिल नहीं लगती है। यह पुस्तक उस दौर की प्रतिबंधित पत्रकारिता के क्रमिक इतिहास को सुगठित तरीके से प्रमाणित सूचनाओं के आधार पर प्रस्तुत करती है। *

किताबः अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता, **लेखकः** संतोष भदौरिया, **मूल्यः** 350 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

विशेषः जन्माष्टमी, 16 अगस्त

पर्वोल्लास / धीरज बसाक

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को समर्पित जन्माष्टमी का पर्व पूरे देश में असीम श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के कुछ प्रदेशों एवं प्रमुख कृष्ण मंदिरों में मनाए जाने वाले विशेष उत्सवों के बारे में यहां बता रहे हैं विस्तार से।

श्रद्धा-उल्लास से मनाया जाता है देश-विदेश में जन्माष्टमी पर्व

द्वारकाधीश मंदिर द्वारका, गुजरात

भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा और वृंदावन है तो उनकी कर्मभूमि द्वारका है। श्रीकृष्ण ने अपने बचपन की अठखेलियां और रास लीलाएं बृज में कीं, तो द्वारका उन्हें द्वारकाधीश यानी द्वारका के राजा के तौर पर जानता है। भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि द्वारका में जन्माष्टमी उत्सव बहुत ही भव्यता के साथ मनाया जाता है। इस दिन द्वारका के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर को फूलों और दीयों से सजाया जाता है। इस दिन यहां के खास आकर्षणों में मंगला आरती और झूलन उत्सव प्रमुख हैं। जन्माष्टमी के दिन गुजरात में समुद्र के किनारे स्थित द्वारका नगरी में देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु और पर्यटक यहां इस मंदिर के जन्माष्टमी उत्सव में शामिल होते हैं। *

इंफाल की रास लीला, मणिपुर

देश का उत्तर-पूर्व में कृष्ण भक्ति में डूबा रहने वाला भू-भाग है। विशेषकर मणिपुर में वैष्णो समुदाय, कृष्ण जन्माष्टमी को पारंपरिक रास लीला और विख्यात मणिपुरी नृत्य के विशिष्ट संयोजन के साथ मनाते हैं। इस दिन पूरे इंफाल में जगह-जगह रास लीलाओं का आयोजन होता है। कृष्ण जन्माष्टमी पर इंफाल में आयोजित होने वाली रास लीला पूरी दुनिया में विख्यात है। इस रास लीला में भगवान कृष्ण के जीवन के विभिन्न पहलुओं का अत्यंत भक्तिपूर्ण ढंग से मंचन होता है और यह मंचन विशेष मणिपुरी नृत्य पर आधारित होता है। *

मुंबई का दही हांडी उत्सव, महाराष्ट्र

मुंबई में कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव देश के दूसरे हिस्सों से बिल्कुल अलग जोश और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन महाराष्ट्र के लगभग हर शहर में और उसमें भी विशेष तौर पर मुंबई में हर गली में एक ऊंचे स्थान पर दो पेड़ों या दो इमारतों के बीच बंधी रस्सी में बीचों-बीच जहां चारों तरफ खुला मैदान होता है, बहुत ऊंचे एक हांडी बांधी जाती है, जिसमें दही, मिठाइयां और रुपए भरे होते हैं। कृष्ण के बाल सखा माने जाने वाले गोविंदा मानव पिरामिड का आकार बनाकर हवा में हांडी तक पहुंचते हैं और फिर इसे तोड़ते हैं। मुंबई में जन्माष्टमी के दिन गोविंदाओं की टोलियां दही-हांडी उत्सव में घूम-घूमकर हिस्सा लेती हैं और जब एक टोली हांडी तक नहीं पहुंच पाती, तो दूसरी टोली को उसके लिए मौका दिया जाता है। हांडी फोड़ने वाले मित्रमंडल/टोली को उत्सव का आयोजन करने वाली सोसायटी या मुहल्ला पुरस्कृत करता है। *

उडुपी श्रीकृष्ण मठ, कर्नाटक

दक्षिण भारत में कृष्ण भक्तों की श्रद्धा का एक महत्वपूर्ण केंद्र उडुपी है। जन्माष्टमी के दिन कर्नाटक के उडुपी स्थित उडुपी श्रीकृष्ण मठ में विशेष पूजा, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। मंदिर में कृष्ण लीला, नाटक, रथयात्रा और ध्वजारोहण जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस दौरान पूरे उडुपी शहर में रात्रि जागरण का माहौल होता है। हर तरफ लोग कृष्ण भक्ति में डूबे दिखते हैं। रात 12 बजे भगवान कृष्ण के जन्म के बाद यह उत्सव अपने चरम पर पहुंचता है और फिर दिनभर भजन कीर्तन में रमे रहने वाले भक्तजन प्रसाद खाकर अपना उपवास-व्रत तोड़ते हैं। द्वारका की तरह ही उडुपी में भी जन्माष्टमी पर देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। *

विदेशों में जन्माष्टमी उत्सव की छटा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सिर्फ भारत में ही मनाया जाने वाला उत्सव नहीं है। यह एक वैश्विक उत्सव है। भारत के बाहर नेपाल, बांग्लादेश, फिजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद, सूरीनाम आदि देशों में भी भव्य जन्माष्टमी उत्सव मनाए जाते हैं। नेपाल के पत्थर गांव और काठमांडू स्थित कृष्ण मंदिरों में इस दिन भक्तों की भीड़ उमड़ती है और नृत्य, भजन संध्या तथा झूलों की परंपरा से उत्सव मनाया जाता है। बांग्लादेश में ढाका स्थित जैसोर में जन्माष्टमी को भव्य पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस दिन यहां शोभा यात्रा, भगवत गीता पाठ और सांस्कृतिक नाटकों का मंचन होता है। फिजी, मॉरीशस और सूरीनाम में प्रवासी भारतीय समुदाय के लोग कीर्तन मंडलियों के जरिए कृष्णलीला का मंचन और भजन गाते हैं। इसके अलावा लंदन (ब्रिटेन) के इस्कॉन मंदिर, अमेरिका के न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन और लॉस एंजिल्स आदि के इस्कॉन मंदिरों में भी जन्माष्टमी में भव्य सांस्कृतिक उत्सव मनाए जाते हैं। इसके साथ ही यूरोप में रूस, यूक्रेन, हंगरी और जर्मनी के इस्कॉन मंदिरों में भी कृष्ण जन्माष्टमी बहुत भव्य तरीके से आयोजित की जाती है। *

काठमांडू स्थित कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी उत्सव

कहानी
आशा शर्मा

स्वतंत्रता दिवस का यह मतलब कतई नहीं होता कि इस दिन को हम मौज-मस्ती करके बिता दें। राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर देशप्रेम से ओत-प्रोत ना हों। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद ना करें। राष्ट्रीय पर्व के महत्व पर केंद्रित कहानी।

आजाद वीकेंड

इस बार लंबा वीकेंड आ रहा है, क्यों न ऋषिकेश चलें? सुना है वहां की कैंप लाइफ बहुत शानदार होती है। खाना-पीना और नदी किनारे मस्ती... क्या कहते हो?' बिजी कॉर्पोरेट लाइफ से उकताई राजी को वास्तव में एक ब्रेक की जरूरत महसूस हो रही थी। 'लंबा वीकेंड? कब है यह सुनहरा अवसर?' साथी श्यामली ने चहकते हुए पूछा तो राजी ने टेबल पर रखा कैलेंडर उसके सामने कर दिया। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस का अवकाश और उसके बाद शनिवार और रविवार... देखते ही श्यामली भी तुरंत तैयार हो गई। समीर और अयान तो जैसे अवसर की तलाश में ही थे। सबने शुक्रवार की सुबह ऋषिकेश जाने का कार्यक्रम बना लिया।

'लेकिन उस दिन तो ऑफिस में भी झंडारोहण होगा ना, उसे छोड़कर कैसे जा सकते हैं?' अयान ने प्रश्न उठाया।

'क्या यार अयान...! एक तुम्हारे नहीं होने से क्या वहां का सारा प्रोग्राम कैंसल हो जाएगा? चिल करो यार। आजादी का जश्न मनाने ही तो जा रहे हैं हम लोग।' राजी ने बेपरवाही से कहा और उसके बाद सभी प्रश्न समाप्त हो गए। शुक्रवार यानी स्वतंत्रता दिवस की सुबह छह बजे चारों दोस्त कार से रवाना हुए। समीर गाड़ी चला रहा था, अयान उसकी बगल में बैठा था। राजी और श्यामली पीछे की सीट पर पालथी मारकर बैठी थीं।

सुबह की ठंडी हवा से अठखेलियां करते चारों बढ़े जा रहे थे। रास्ते में आने वाले गांवों में स्कूल जाते हाथों में तिरंगा लिए बच्चे सम्मोहित कर रहे थे। जगह-जगह स्कूल और अन्य प्रतिष्ठानों में देशभक्ति के गीत गूंज रहे थे। जोशीले गाने सुनकर श्यामली के रोम खड़े हो गए। शरीर में सिहरन सी दौड़ गई।

'क्या सचमुच लोग आजादी के लिए इतने दीवाने हो गए थे कि उन्हें मरने तक से डर नहीं लगा? हमें देखो! जरा सा भी दर्द बर्दाश्त नहीं होता।' श्यामली ने अचानक कहा तो सब उसे आश्चर्य से देखने लगे।

'जरूर हुए ही होंगे, आजादी क्या प्लेट में परोसी हुई मिली थी। मेरे दादा जी बताते थे कि उनके पिताजी स्वतंत्रता सेनानी थे। नेताजी की आजाद हिंद फौज के सिपाही। आज भी उनकी तस्वीर हमारे घर में रखी है।' अयान ने गर्व से बताया और गर्दन घुमाकर बारी-बारी से सबकी तरफ देखा। उसे बाकी दोस्तों की आंखों में अपने लिए अतिरिक्त सम्मान दिखाई दिया। सबके मुंह आश्चर्य से टेढ़े हुए सो अलग। तभी अचानक समीर ने जोरदार ब्रेक लगाया। पीछे की सीट पर बैठी राजी और श्यामली का सिर आगे की सीट से टकरा गया।

'यह क्या पागलपन है समीर? ऐसे कैसे गाड़ी चला रहे हो? मरवाओगे क्या?' सब एक साथ चिल्लाए। 'वो अचानक सामने से वह लंगड़ा व्यक्ति आ गया था। अभी तो मर ही जाता!' कहते हुए झल्लाए समीर ने गाड़ी रोकी और लपक कर नीचे उतरा। देखा तो वह लंगड़ा व्यक्ति अभी भी उसी तरह सड़क के बीचों-बीच खड़ा था।

'मरोगे क्या? इस तरह कौन बीच सड़क पर खड़ा हो जाता है।' समीर उस भिखारी जैसे दिखने वाले बूढ़े दिव्यांग व्यक्ति पर चिल्लाया। वह व्यक्ति अपनी बैसाखी बगल में दबाए चुपचाप सावधान की मुद्रा में खड़ा रहा। अब तक बाकी तीनों भी वहां आ चुके थे। उन्हें भी यह देखकर हैरानी हुई कि उस व्यक्ति के चेहरे पर अभी-अभी घटित होने वाले एक्सीडेंट के बारे में सोचकर किसी भी प्रकार की घबराहट के निशान दिखाई नहीं दे रहे हैं। तभी उस व्यक्ति ने अपनी पोजीशन बदली और बैसाखी को ठीक से अपनी बांह के नीचे दबा लिया।

'सामने उस स्कूल में राष्ट्रगान की धुन बज रही थी ना, इसलिए मैं खड़ा हो गया। माफ करना लेकिन मैं अपने राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान के प्रति अपनी भावनाओं और उसके सम्मान को नजरअंदाज नहीं कर सका। आप लोगों को तो शायद पता भी नहीं होगा कि राष्ट्रगान के समय ध्वज के सम्मान में सावधान खड़ा होना चाहिए।' व्यक्ति ने कहा तो सबकी निगाहें झुक गईं। सच जानकर समीर को अपने व्यवहार पर बहुत दुःख हुआ। वह हाथ पकड़ कर उस व्यक्ति को सड़क पार करवाने लगा। तभी उस व्यक्ति ने अपनी बैसाखी हटाई और लकड़ी के सहारे अपने पांवों से चलने लगा। सब एक-दूसरे को आश्चर्य से देखने लगे। बूढ़े व्यक्ति का यह आचरण किसी के भी समझ में नहीं आया, किंतु वह व्यक्ति उनकी दुविधा समझ गया था।

'मैं भला आजादी की कीमत कैसे भूल सकता हूं। मेरे पिताजी ने आजादी की लड़ाई में भाग लिया था और अंग्रेजों की गोली लगने से वे अपना एक पांव गंवा बैठे थे। उन्हीं को याद करते हुए मैं आज के दिन बैसाखी के सहारे चलता हूं ताकि उनकी कुर्बानी भूल नहीं जाऊं। आज की पीढ़ी को भले ही यह मजाक लगता होगा, लेकिन हमारी पीढ़ी के लिए यह दिन कितना महत्व रखता है, यह मैं बता नहीं सकता।' कहते हुए वह व्यक्ति भावुक हो गया। अब तक सब उसका हाथ थामे सड़क के दूसरी पार भी आ गए थे। सबकी निगाहें झुकी हुई थीं।

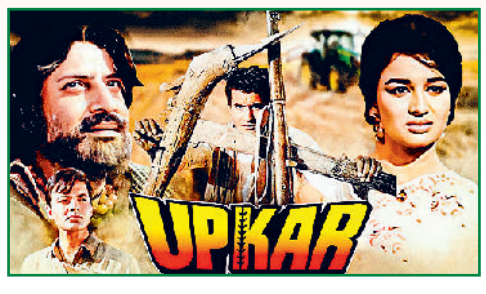

'मुझे लगता है हमें वापस जाना चाहिए। क्यों न आज के दिन हम कोई देशभक्ति की भावना वाली फिल्म देखें?' राजी ने नया प्रस्ताव रखा तो सब एक बार फिर से हैरान हो गए लेकिन तुरंत संभल भी गए।

'ठीक कहते हो लेकिन उससे पहले ऑफिस जाकर तिरंगे को सलामी देंगे।' अयान ने आगे जोड़ा तो सब एकमत हो गए और अब गाड़ी ऋषिकेश जाने की बजाय ऑफिस की तरफ दौड़ रही थी। *

नया दौर
लोकमित्र गौतम

भगवान कृष्ण के प्रति भक्तिभाव रखने वालों के लिए तो वे पूज्य हैं ही। लेकिन उनके व्यक्तित्व में कई ऐसे गुण हैं, जो उन्हें आज के युवाओं के लिए भी आइकन बना देता है। इसीलिए देश-दुनिया के युवाओं में जन्माष्टमी की धूम दिखती है।

रील्स-मीम्स के दौर में युवाओं के ग्लोबल आइकन हैं श्रीकृष्ण

आज का दौर तेजी से बदलते दृश्यों और पल भर की लोकप्रियता का दौर है। यही कारण है कि आज बड़े-बड़े त्योहारों और उत्सवों का रंग भी नई पीढ़ी के सिर चढ़कर आसानी से नहीं बोलता। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि इसी रील्स और मीम्स के दौर में जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर रील्स, मीम्स और वायरल ट्रेंड संस्कृति का नया चेहरा बन गए हैं, तब जन्माष्टमी दुनिया के लगभग 108 देशों में मनाई जा रही है। और हॉटस्टार जैसे टीवी चैनल जो कि पूरी तरह से खेलों और वेब सीरीज को समर्पित हैं, महीनों पहले से बार-बार विज्ञापन करते हैं कि जन्माष्टमी का कार्यक्रम सीधे प्रसारित किया जाएगा। अगर जन्माष्टमी जैसे पर्व के प्रति पूरी दुनिया में इस किस्म का आकर्षण उभर रहा है, तो इसका अर्थ केवल धार्मिक नहीं है बल्कि इसके पीछे सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल अनुकूलता का गहरा संबंध है।

परंपरा का डिजिटलीकरणः हर साल भाद्रपद की अष्टमी को मनाया जाने वाला कृष्ण जन्म का पर्व जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति में पारंपरिक रूप से मनाया जाता है। जैसा कि हम सब जानते हैं जन्माष्टमी की रात 12 बजे कंस की जेल में बंद बहन देवकी की कोख से एक दिव्य बालक श्रीकृष्ण जन्म लेते हैं, जो धर्म की पुनर्स्थापना का सूत्रधार बनते हैं। आमतौर पर मंदिरों में भजन संकीर्तनों तक सीमित रहने वाले श्रीकृष्ण, आज की डिजिटल दुनिया में भरपूर स्वीकृत हुए है, तो इसके कुछ कारण हैं।

कृष्ण केवल भगवान नहीं, एक विचार हैंः आज का युवा सही मायने में वैश्विक नागरिक है। एक ऐसी दुनिया का नागरिक, जो अपनी पारंपरिक संस्कृति से अगर जुड़ना जानता है, तो उसकी बेड़ियों को तोड़ना भी जानता है। हां, यह जरूर है कि आज का युवा अपने करियर की चिंता में रहता है। आज का युवा रिश्तों में उलझा है और जीवन के नए अर्थ तलाश रहा है। आज का युवा सिस्टम से सवाल करता है। ऐसे में श्रीकृष्ण उसका मार्गदर्शन करते हैं। कृष्ण का पूरा जीवन संघर्षों से भरा रहा। कष्ट और संकटों के बीच जन्म, बचपन में वध के अनेक प्रयास, युवावस्था में युद्ध, राजनीति, मित्रता और प्रेम के भ्रम, फिर भी इन सारी परेशानियों और संघर्षों के बीच कृष्ण मुस्कुराते रहते हैं, नाचते रहते हैं और बांसुरी बजाते रहते हैं। यह इतना उद्दाम जीवन चरित्र है, जो दुनिया भर के, हर संस्कृति के युवाओं को अपनी ओर खींचता है। कृष्ण सीख देते हैं कि जियो और वह भी पूरी लय में, इसलिए वे युवाओं के चहेते बने हुए हैं।

संस्कृति की सॉफ्टपावरः एक तरफ कृष्ण का अद्भुत कैरेक्टर युवाओं को अपनी तरफ चुंबक के माफिक खींचता है, तो दूसरी तरफ जन्माष्टमी का ग्लोबल आकर्षण यह दर्शाता है कि भारतीय संस्कृति सीमाओं में कैद नहीं है। यही वजह है कि आज न्यूयॉर्क से लेकर नैरोबी तक और लंदन से लेकर सिडनी तक कृष्ण भक्तों ने जन्माष्टमी को ग्लोबल फेस्टिवल बना दिया है। रासलीला, दही हांडी और कृष्ण जन्मोत्सव आज भारत की विदेशों में सांस्कृतिक पहचान है। सिर्फ पहचान ही नहीं, यह सांस्कृतिक कूटनीति का हिस्सा भी है। जन्माष्टमी के गीत, डांस, कॉस्ट्यूम ट्रेंड और डिजिटल झांकियां अब डिजिटल आर्ट और क्रिएटिविटी का हिस्सा हैं। ये बदलाव साबित करते हैं कि कृष्ण ग्लोबल आकर्षण का विषय क्यों हैं? कृष्ण का विचार और कृष्ण का होना उस दौर में भी नया और आधुनिक था और इस दौर में भी नया और आधुनिक है। डिजिटल युग में कृष्ण की प्रासंगिकता पहले से ज्यादा बढ़ गई है।

कृष्ण की यूनिवर्सल अपीलः श्रीकृष्ण केवल हिंदू धर्म के देवता भर नहीं हैं। वे एक फिलॉस्फर हैं, वे एक योद्धा हैं, वे एक प्रेमी हैं, वे एक दोस्त हैं, वे एक रणनीतिकार हैं और वे एक मेंटर भी हैं। हर संस्कृति में वह किसी न किसी रूप में फिट बैठते हैं। यही कारण है कि वह हर संस्कृति में स्वीकार्य हैं। *

बॉलीवुड ट्रेंड/ अशोक जोशी

हिंदी फिल्मों के आरंभिक दौर से ही देशभक्ति पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। इन्हें एंटरटेनिंग बनाने के लिए काफी फिल्मी मसाले भी डाले जाते हैं। यही वजह है कि ऐसी फिल्मों को दर्शक भी खूब पसंद करते हैं। देशभक्ति पर आधारित कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

हिंदी फिल्मों में देशभक्ति के रंग

पंद्रह अगस्त हो या छब्बीस जनवरी, राष्ट्रीय पर्व आते ही देशवासियों में देश प्रेम और देशभक्ति की भावनाएं हिलोरे लेने लगती हैं। देश प्रेम की यह भावना हिंदी फिल्मों में भी खूब उभर कर आई है। यह बात अलग है कि समय के साथ हिंदी फिल्मों में देश प्रेम को व्यक्त करने के तरीके बदलते रहे हैं।

ब्रिटिश काल में हिंदी फिल्में

आजादी के पहले देशभक्ति पर आधारित तमाम फिल्मों में ब्रिटिश शासन को निशाने पर रखकर फिल्मकार देशभक्ति पर आधारित फिल्में बनाते थे। उस दौर में सेंसरशिप सख्त होने के कारण वे सीधे-सीधे तो अंग्रेजों पर हमला नहीं कर सकते थे, लेकिन परोक्ष या सांकेतिक रूप से ब्रिटिश शासन के खिलाफ हिंदी फिल्में और उनके गीत स्वंतत्रता संग्राम का खूब समर्थन करते थे। इस संदर्भ में कवि प्रदीप का लिखा गीत 'दूर हटो ऐ दुनिया वालो हिंदुस्तान हमारा है' प्रासंगिक है। यह गीत वैसे तो ब्रिटिश राज के विरुद्ध था, लेकिन ब्रिटिश अधिकारियों को इस गीत के बारे में बताया गया कि ब्रिटिश शासन का पक्ष लेकर विश्व युद्ध में उसके खिलाफ लड़ने वालों से कहा जा रहा है कि 'हिंदुस्तान हमारा' अर्थात ब्रिटिश शासन का है।

शुरुआती दौर की फिल्मों में देशभक्ति

आजादी के बाद एक-दो दशक तक बनने वाली देशभक्तिपूर्ण फिल्मों में स्वतंत्रता संग्राम के किस्सों को ही ज्यादातर दिखाया जाता रहा। इन फिल्मों में दिलीप कुमार की 'शहीद' प्रमुख थी। उन दिनों शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और झांसी की रानी जैसे महान चरित्रों को केंद्र में रखकर सेल्यूलाइड पर देश प्रेम के रंग भरे गए। 1962 के भारत-चीन युद्ध के विषय पर चेतन आनंद ने 'हकीकत' जैसी सार्थक फिल्म बनाई।

देशभक्ति फिल्मों ने मनोज को बनाया भारत कुमार

भगत सिंह के चरित्र पर आधारित फिल्म 'शहीद' की सफलता के बाद मनोज कुमार को जैसे फिल्म निर्माण की एक अलग दिशा मिल गई। इसके चलते ही मनोज कुमार ने 'उपकार', 'पूरब और पश्चिम', 'क्रांति', 'रोटी कपड़ा और मकान' जैसी कई फिल्में बनाईं, जो या तो देशभक्ति पर आधारित थीं या इन फिल्मों में कहीं न कहीं देश प्रेम की भावना घुली-मिली थी। इन फिल्मों को दर्शकों का भी भरपूर प्यार मिला। अपनी देशभक्ति आधारित फिल्मों की वजह से ही मनोज कुमार बॉलीवुड में 'भारत कुमार' के रूप में मशहूर हो गए।

बदल गया देशभक्ति फिल्मों का स्वरूप

आगे चलकर, खासतौर से भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद देशभक्ति की फिल्मों का एक महत्वपूर्ण विषय भारत और पाकिस्तान का युद्ध और आतंकवाद बन गया। जे.पी. दत्ता ने भारत और पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म 'बॉर्डर' का निर्माण किया। इस मल्टी स्टारर फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला। 'बॉर्डर' को कुछ हद तक 'हकीकत' की शैली में बनाने का प्रयास किया गया। इस फिल्म के गीत भी खूब लोकप्रिय हुए थे। जावेद अख्तर द्वारा लिखा गया फिल्म का गीत 'संदेसे आते हैं' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। यह गीत 15 अगस्त, 26 जनवरी जैसे अवसरों पर आज भी बजाया जाता है।

निर्माता-निर्देशक अनिल शर्मा की सनी देओल और अमीषा पटेल को लेकर बनाई गई फिल्म 'गदर : एक प्रेम कथा' में भी भारत-पाकिस्तान एंगल था। 'हिंदुस्तान जिंदाबाद था, हिंदुस्तान जिंदाबाद है और हिंदुस्तान जिंदाबाद रहेगा' जैसे देशभक्ति से भरे डायलॉग्स ने फिल्म की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उसके बाद आई आमिर खान की 'सरफरोश' में भी देशभक्ति का यही रंग था। इसमें आतंकी नेटवर्क के तार पाकिस्तान से जोड़कर दिखाया गया था। इस फिल्म को भी अच्छी सफलता हासिल हुई थी। हालांकि 'बॉर्डर' के बाद न तो जेपी दत्ता सफल हो पाए और न ही अनिल शर्मा बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा सके। देशभक्ति पर आधारित उनकी 'रिफ्यूजी' और 'वीर' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रहीं। हालांकि अनिल शर्मा की 'गदर 2' ने अच्छी सफलता हासिल की।

देशभक्ति फिल्मों का नया ट्रेंड

पिछले कुछ वर्षों से अक्षय कुमार को भारत कुमार की पदवी मिली हुई है। उनकी कई फिल्मों में देशभक्ति की भावना खूब नजर आती है। पाकिस्तान को कोसने, उसकी नापाक हरकतों और उसके आतंकी मंसूबों को भी अक्षय कुमार की कुछ फिल्मों में दिखाया गया है। 'केसरी', 'बेबी', 'एयरलिफ्ट', 'हॉलिडे' और 'रुस्तम' जैसी अक्षय कुमार कई फिल्मों में देशभक्ति के अलग-अलग रंग दिखे। हाल में आई 'केसरी 2' से वह एक बार फिर देश प्रेम की भावना दर्शकों तक पहुंचाने में सफल रहे हैं।

भारतीय युवाओं में क्रिकेट से लेकर राजनीति हर क्षेत्र में पाकिस्तान से आगे रहने और उसे पराजित करने की भावना को उभारने में भी फिल्मकारों को महारथ हासिल है। इसीलिए ऐसी फिल्में भी खूब बनती हैं। *